राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सोलो ट्रिप का आनंद ले रहे हैं सिंगर दिलजीत...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

शनिवार, 12 नवंबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 322 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

पीएम मोदी ने केंपेगौड़ा की कांस्य प्रतिमा का किया अनावरण

जनसभा को संबोधित करते हुए कहा– अब भारत रुक कर नहीं चलेगा

बेंगलुरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेंगलुरु में नादप्रभु केम्पेगौड़ा की 108 फीट की कांस्य प्रतिमा का अनावरण किया। जिसके बाद पीएम मोदी ने कर्नाटक की एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं भाग्यशाली हूं कि एक बहुत ही खास दिन पर बेंगलुरू पहुंचा हूं। यह एक ऐसा दिन है जिस दिन राष्ट्र के दो महान सपूतों– संत कनक दास और महर्षि वाल्मीकि की जयंती होती है। मैं उन दोनों को श्रद्धांजलि

अर्पित करता हूं। आज कर्नाटक और देश की 2 महान संतानों की जन्म जयंती है। संत कनकदास जी ने हमारे समाज को मार्गदर्शन दिया तो ओनके ओबव्वा ने हमारे गौरव और संस्कृति के लिए अपना योगदान दिया। पीएम मोदी ने कहा कि हम बेंगलुरू के, कर्नाटक के विकास और विरासत दोनों को और सशक्त कर रहे हैं। आज कर्नाटक को पहली मेड इन इंडिया वंदे भारत ट्रेन मिली है। कर्नाटक के लोगों को अयोध्या और काशी के दर्शन कराने वाली भारत गौरव काशी दर्शन ट्रेन की भी आज शुरुआत हुई है। आज केंपेगौडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के दूसरे टर्मिनल का भी उद्घाटन हुआ है। भारत अपने स्टार्टअप के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है, और भारत को स्टार्टअप हब के रूप में स्थापित करने में बेंगलुरु महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ओवैसी पर हमला करने वालों को हफ्ते भर में करना होगा आत्मसमर्पण,एससी ने दोनों आरोपियों की जमानत की खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी 2022 में ऑल इंडिया मजलिस– ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के वाहन पर गोली चलाने वाले आरोपी को जमानत देने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश को रद्द कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी को आज से एक हफ्ते के अंदर जेल अथॉरिटी के सामने खुद को सरेंडर करने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट से सबूतों को ध्यान में रखते हुए आरोपी की जमानत याचिका पर नए सिरे से फैसला करने के लिए कहा है। बता दें कि उत्तर

प्रदेश के मेरठ में एक चुनावी कार्यक्रम के बाद रास्ते में एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी पर फायरिंग हुई थी। जिसके बारे में मीडिया से बात करते हुए ओवैसी ने बताया कि मैं किठौर, मेरठ (उ.प्र.) में एक चुनावी कार्यक्रम के बाद दिल्ली जा रहा था। छिजारसी टोल प्लाजा के पास 2 लोगों ने मेरी गाड़ी पर 3–4 राउंड गोलियां चलाईं वे कुल 3–4 लोग थे। मेरी गाड़ी के टायर पंक्चर हो गए, मैं दूसरी गाड़ी में वहां से निकला। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का कहना है कि जब वे आज किथौर, मेरठ (उ.प्र.) में चुनाव प्रचार के बाद दिल्ली जा रहे थे तब छिजारसी टोल प्लाजा के पास उनकी गाड़ी पर गोलियां चलाई गईं। घटना के बाद मामले की जांच के लिए आईजी मेरठ रेंज स्वयं मौजूद रहे। मेरठ रेंज के आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि एक व्यक्ति जो सीसीटीवी के आधार पर चिंहित हुआ है तत्परता से हमने उस व्यक्ति को हिरासत में लिया है, उससे पूछताछ की जा रही है। सभी साक्ष्यों को चिंहित किया गया है। पूरा मामला अभी जांच का विषय है। 5 टीमें बनाई गई हैं। बाद में असदुद्दीन ओवैसी के हमलावरों को पकड़ लिया गया। पूछताछ में बाद सामने आया कि वे असदुद्दीन ओवैसी के हिंदू विरोधी बयानों से आहत होकर उनपर ये हमला किया था।

100 करोड़ की रिश्वत, डिजिटल सबूत मिटाने की कोशिश, मनीष सिसोदिया ने 140 मोबाइन फोन नष्ट किए, शराब घोटाले में बड़ा दावा

नई दिल्ली। दिल्ली की विवादित शराब नीति को लेकर प्रवर्तन निदेशालय के दावे के बाद बीजेपी दिल्ली की आम आदमी पार्टी पर हमलावर हो गई है। बीजेपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मनीष सिसोदिया पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि शराब घोटाले में कई परते खुलकर सामने आ रही हैं। शराब घोटाले में कल दो और आरोपी पकड़े गए। हैदराबाद से बिजनेसमैन को गिरफ्तार किया गया है। इसके तार शराब नीति से जुड़े हैं। शराब घोटाले को लेकर परत दर परत खुल रही

हैं। उन्होंने कहा कि रिमांड लेटर हैं, जिसमें 2631 करोड़ का नुकसान हुआ।

बीजेपी नेता ने कहा कि जब ये पूरा विषय एक घोटाले के नाते आगे आने लगा और सीबीआई की जांच इस पर बैठा दी गई। तो आपको जानकर आश्चर्य होगा कि 140 मोबाइल फोन बदले गए। बीजेपी नेता ने कहा कि ये जो डिजिटल फूटप्रिंट्स होते हैं इन्हें ढकने के लिए लगभग 140 मोबाइल फोन 34 लोगों ने बदला है। इसमें आरोपी नंबर एक मनीष सिसोदिया हैं। मनीष सिसोदिया और उनके मित्रगण ने मिलकर ये शराब घोटाला किया, जब इस पर जांच बैठाई गई तो डिजिटल सबूत मिटाने के लिए 140 मोबाइल फोन बर्बाद किए गए। फिर नए खरीदे गए ताकि सबूत मिट सके।

बीजेपी नेता ने मोबाइल फोन दिखाते हुए कहा कि 140 मोबाइल फोन में मनीष सिसोदिया और उनकी टोली ने 1 करोड़ 20 लाख रुपये खर्च किए। जो सादगी की कसम खाते थे और गारंटी लेते थे कि राजनीति में नहीं आएंगे। बीजेपी ने कहा कि आबकारी नीति को 5 जुलाई, 2021 को सार्वजनिक किया गया था, लेकिन नीति की एक प्रति 31 मई, 2021 को मनीष सिसोदिया के दोस्तों को लीक कर दी गई थी जिसमें निर्माता और कार्टेल शामिल थे।

मानहानि मामला: दिल्ली की अदालत ने खारिज की सत्येंद्र जैन, आतिशी समेत आप नेताओं की याचिका

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने सत्येंद्र जैन, आतिशी, राघव चड्ढा, दुर्गेश पाठक और सौरभ भारद्वाज सहित आप नेताओं के उस आवेदन को खारिज कर दिया, जिसमें भाजपा नेता छैल बिहारी गोस्वामी द्वारा दायर एक मामले में

मानहानि के अपराध से बरी करने की मांग की गई थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि "कानून में यह पहले ही तय हो चुका है कि समन मामले में निचली अदालत द्वारा आरोपी को बरी करने या समन आदेश को वापस लेनेध्समीक्षा करने की कोई गुंजाइश नहीं है। इसलिए, आरोपी व्यक्तियों की वर्तमान मामले से आरोपमुक्त करने की याचिका खारिज की जाती है। छैल ने अपनी शिकायत में कहा कि आप नेताओं ने दिसंबर 2020 में प्रेस कॉन्फ्रेंस, ट्वीट और कई अन्य माध्यमों से मानहानिकारक बयान दिए कि एमसीडी के भाजपा नेताओं ने 2,400 करोड़ रुपये से अधिक के धन का दुरुपयोग किया है। छैल ने कहा है कि आरोपी जनता को गुमराह कर रहे हैं और भाजपा की नकारात्मक छवि बना रहे हैं। आप नेताओं को मानहानि के आरोप में तलब किया गया है। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट विधि गुप्ता आनंद की अदालत ने अपने आदेश में कहा कि बचाव पक्ष द्वारा दी गई दलील – कि चूंकि वे लोक सेवक हैं, इसलिए मामला एक लोक अभियोजक के माध्यम से दायर किया गया होगा – अधिक महत्व नहीं रखता है।

हो रहा था प्रियंका का इंतजार, आ गईं निर्मला सीतारमण, फिर क्या... अपने नेता को अनसुना कर कांग्रेस की महिला कार्यकर्ता लेने लगीं सेल्फी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के चुनाव में गिनती के दिन शेष रह गए हैं। चुनाव प्रचार का शोर भी थम चुका है। तमाम दलों की ओर से पहाड़ पर पकड़ मजबूत करने की कवायद खूब की गई। बीजेपी जहां अपने डबल इंजन के दम से मिशन रिपीट के

सपने को साकार करने में लगी नजर आई। वहीं वापसी की उम्मीद लिए कांग्रेस ने भी प्रियंका कार्ड को हिमाचल प्रदेश के चुनाव में प्रयोग किया। लेकिन हिमाचल प्रदेश के आक्रमक चुनाव प्रचार, आरोप प्रत्यारोप के दौर के बीच एक दिलचस्प नजारा देखने को मिला। कांग्रेस की महिला कार्यकर्ताओं ने सद्भावना दिखाते हुए भारतीय जनता पार्टी की नेता व वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ सेल्फी ले ली। कांग्रेस की महिला कार्यकर्ता पार्टी नेता प्रियंका गांधी वाड्रा का इंतजार कर रही थीं, तभी उन्होंने शिमला क्लब के पास मॉल रोड से गुजर रहे केंद्रीय वित्त मंत्री के काफिले को देखा। वाड्रा को दोपहर में माल रोड पर एक जन संपर्क अभियान में हिस्सा लेना था। सीतारमण के साथ मौजूद भाजपा के मीडिया प्रभारी करण नंदा ने कहा, "वित्त मंत्री ने जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अपनी ओर हाथ हिलाते देखा, तो उन्होंने अपना काफिला रोक दिया। वह अपने वाहन से उतरीं और उनसे मिलीं। उन्होंने (कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने) वित्त मंत्री के साथ सेल्फी ली। कांग्रेस नेता को किया अनसुना: सूत्रों के अनुसार, जब महिला कांग्रेस प्रमुख ने कांग्रेस का पटका पहने पार्टी समर्थकों को बुलाया, तो उन्होंने अपने नेता को अनसुना करते हुए कहा कि सीतारमण ने महिलाओं को गौरवान्वित किया है और वे उनके साथ सेल्फी लेना चाहती हैं। बता दें कि सीतारमण राज्य की राजधानी में भाजपा के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने आई थीं।

दिल्ली एमसीडी चुनाव के लिए अरविंद केजरीवाल ने जारी की 10 गारंटियां

कूड़े का पहाड़ खत्म करने समेत की ये गारंटी

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम चुनाव 2022 के लिए पार्टी

के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 11 नवंबर को श्केजरीवाल की 10 गारंटीश की घोषणा कर दी है। श्केजरीवाल की 10 गारंटीश की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली को अब सुंदर बनाया जाएगा। यहां तीनों कूड़े के पहाड़ खत्म होंगे। भ्रष्टाचार से भी निगम को मुक्ति मिलेगी। दिल्ली में वर्षों से मौजूद पार्किंग की समस्या से भी जनता को निजात मिलेगी। जानिए केजरीवाल की 10 गारंटियां: दिल्ली बनेगी सुंदर तीन कूड़े के पहाड़ होंने खत्म भ्रष्टाचार मुक्त निगम होगी पार्किंग की समस्सा से मिलेगी निजात आवारा पशुओं से मुक्त होगी दिल्ली नगर निगम की गलियों का होगा कायाकल्प स्कूल और अस्पताल में होंगी बेहतर सुविधाएं पार्कों का होगा सौंदर्यिकरण कच्चे कर्मचारी होंगे पक्के व्यापारियों की लाइसेंस प्रक्रिया होगी आसान रेहड़ी–पटरी को वैनिंग जोन बनाएंगे, भ्रष्टाचार से मुक्त होगा गारंटी जारी करते हुए अरविंद केजरीवाल ने विपक्ष पर भी निशाना साधा है। कहा कि हम अपने बात पर कायम रहते है। हम जो कहते हैं वही करते है। उन्होंने कहा कि हम फेवीकॉल के जोड़ की तरह हैं जो टूटते नहीं है। उन्होंने अन्य पार्टियों का जिक्र करते हुए कहा कि अन्य पार्टी वालों की नियम में खोट होती है। ये वचन पत्र जारी करते हैं मगर काम नहीं करना चाहते।

कैनवास पर उतरी पीएम मोदी की पूरी कहानी, सीएम योगी ने रुद्राक्ष में नमो प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

वाराणसी। दुबई में रहने वाले भारतीय कलाकार अकबर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन की पूरी कहानी कैनवास पर उतारी है। गुजरात से निकलकर विश्व नेता बनने तक की पीएम की कहानी को दर्शाती 55 चित्रों की नमो प्रदर्शनी का शुभारंभ शुक्रवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी के सिगरा स्थित अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर रुद्राक्ष में किया। इस मौके पर केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल भी मौजूद रहे। प्रदर्शनी सात दिनों तक चलेगी। अकबर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विश्व नेता बनने तक के सफर को कैनवास पर खुबसूरती से उकेरा है। इनमें पीएम से जुड़े विभिन्न्न राजनीतिक घटनाक्रमों के साथ ही जीएसटी, विमुद्रीकरण और सर्जिकल स्ट्राइक जैसे प्रमुख नीतिगत फैसलों को भी जगह दी गई है।

विराट–रोहित जैसे बहुत आएंगे, दूसरा MSD मिलना मुश्किल, इंडिया की हार के बाद गंभीर को आई धोनी की याद

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल मुकाबले में टीम इंडिया को इंग्लैंड के खिलाफ शर्मनाक हार झेलनी पड़ी। इस हार के साथ ही टीम इंडिया का विश्व कप का खिताब जीतने का सपना भी टूट गया। हार के बाद से लगातार टीम इंडिया की खूब आलोचना हो रही है। इन सबके बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर और वर्तमान में लोकसभा सदस्य गौतम गंभीर को महेंद्र सिंह धोनी की याद आ गई है। गौतम गंभीर

ने एक टीवी कार्यक्रम में बात करते हुए साफ तौर पर कहा कि उन्हें नहीं लगता कि कोई भी भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की तरह तीन आईसीसी ट्रॉफी जीत पाएगा। आपको बता दें कि महेंद्र सिंह धोनी टीम इंडिया की कप्तानी करते हुए टी–20 विश्व कप, 50 ओवर का विश्व कप और आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीत चुके हैं। अपने बयान में गौतम गंभीर ने कहा कि शायद रोहित शर्मा की तरह और उनसे ज्यादा डबल सेंचुरी कोई लगा दे, विराट कोहली से ज्यादा शतक कोई लगा दे, लेकिन मुझे नहीं लगता कि कोई भी भारतीय कप्तान 3 आईसीसी ट्रॉफी इन जीत पाएगा। वहीं, टीम इंडिया की हार पर गौतम गंभीर ने एक ट्वीट भी किया। अपने ट्वीट में गौतम गंभीर साफ शब्दों में लिखा कि आप केवल उन लोगों से अपेक्षा करते हैं जो हमेशा प्रदर्शन कर सकते हैं। गौतम गंभीर रा यह ट्वीट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। गौरतलब है कि टी–20 विश्व कप 2007 में जब टीम इंडिया विजेता बनी थी, तभी गौतम गंभीर ने शानदार बल्लेबाजी की थी। इसके अलावा 2011 के एकदिवसीय विश्वकप के फाइनल में भी गौतम गंभीर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया था। भारत का 'मानमर्दन' करके इंग्लैंड फाइनल में: स्टार बल्लेबाजों के बल्ले ऐन मौके पर खामोश रहे, गेंदबाजों को लय नहीं मिल सकी और आईसीसी टूर्नामेंटों में बड़े मैच हारने का भारत का सिलसिला बदस्तूर जारी रहा।

30 वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस प्रतियोगिता संपन्न

बहराइच। 30वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का जनपद स्तरीय कार्यक्रम सैनिक इंटर कॉलेज बहराइच में संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि प्राचार्य डायट उदयराज द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पूजन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में सभी ब्लॉकों व नगर क्षेत्र के चुने हुए विज्ञान प्रोजेक्टों का प्रस्तुतिकरण किया गया। सभी प्रतिभागी बच्चों में से सर्वश्रेष्ठ 5 बच्चों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता हेतु किया गया। जिसमें से सीनियर ग्रुप से सैनिक इंटर कॉलेज के मयंक व सना तथा आयुष बैरोज ब्लू बेल्स इंटर कॉलेज से अनुष्का पांडे व देवांश, बाल शिक्षा निकेतन का चयन जूनियर ग्रुप में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। डायट प्राचार्य द्वारा समस्त बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की गई। समापन समारोह के मुख्य अतिथि किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय बहराइच के प्रबंधक शिव प्रताप सिंह व विशिष्ठ अतिथि डा. विनय सक्सेना द्वारा अध्ययनरत बच्चों के लिए शिक्षा में विज्ञान विषय की उपलब्धियों को वर्णित करते हुए सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की गयी। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय श्री सक्सेना ने शोध प्रक्रिया से अवगत कराते हुए कार्यक्रम की सराहना की। जिला समन्वयक डा नंद कुमार शुक्ल ने आए हुए सभी अतिथियों, अध्यापकों, बच्चों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि विजेता बच्चों को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे। सीनियर ग्रुप का मूल्यांकन आनंद कुमार श्रीवास्तव, चंद्रेश कुमार पांडेय एवं चंद्र शेखर नागवंशी तथा जूनियररू ग्रुप का डा. आशीष श्रीवास्तव व सुनील कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन प्रद्युम्न कुमार पांडेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सैनिक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य विवेक शर्मा का सराहनीय योगदान रहा।

भाजपा किसान मोर्चा का एक दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

.सदर विधायक पल्टूराम ने किसान मोर्चा के प्रशिक्षण वर्ग का किया शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा बलरामपुर के एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण अटल भवन तुलसीपार्क में सम्पन्न हुआ । किसान मोर्चा के उद्घाटन सत्र का शुभारंभ पूर्व राज्य मंत्री सदर विधायक पल्टूराम द्वारा किया गया। उनके साथ क्षेत्रीय उपाध्यक्ष किसान मोर्चा सौरभ वाजपेयी और सत्राध यक्ष के रूप में भाजपा मीडिया प्रभारी डीपी सिंह बैस ने दीप प्रज्जवलन कर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजलि किया। भाजपा मीडिया प्रभारी डीपी सिंह बैस ने सभी के समझ सदर विधायक पल्टूराम के जीवनवृत्त को रखा वही सदर

विधायक पल्टूराम ने प्रशिक्षण के उद्घाटन सत्र में हमारा विचार परिवार विषय पर अपना वकतव्य प्रस्तुत करते हुए कहा कि विचार परिवार के सभी अनुषांगिक संगठन निरतंर राष्ट्र निर्माण के कार्य में लगे हैं और आज भारत विश्व गुरु बनने की तरफ पुनः अग्रसर हो गया है विचार परिवार कार्यकर्ताओं को गढ़ने का कार्य करते है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में कार्य करते हुए आम लोगों की समस्याओं को समझा और प्रधानमंत्री के पद पर पहुँच कर अंत्योदय की भावना के अनुरूप गाँव, गरीब, किसान, महिला, शोषित, वंचित लोगों के लिए कार्य कर रहे हैं। प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे सत्र में पूर्व जिलाध यक्ष चंद्र प्रकाश सिंह गुड्डू ने भारतीय जनता पार्टी के इतिहास विषय पर,तीसरे सत्र में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने संगठन संरचना में हमारी भूमिका विषय पर और चौथे सत्र को क्षेत्रीय अध्यक्ष किसान मोर्चा अवध क्षेत्र सौरभ वाजपेयी ने संबोधित किया जिसमें उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उक्त अवसर डॉ अजय सिंह पिंकू चौधरी जितेंद्र सिंह, अश्वनी मिश्रा, रणविजय सिंह, इंद्र बहादुर सिंह, जगदीश पासवान, राजेंद्र वर्मा, सुशील तिवारी, हरेन्द्र दूबे, जगतराम सैनी, सुनील शुक्ला, आलोक सिंह आदि उपस्थित रहे। संदीप उपाध्याय ने बताया कि 12 नवम्बर को पिछड़ा वर्ग मोर्चा और 13 नवम्बर को महिला मोर्चा का प्रशिक्षण वर्ग भाजपा कार्यालय अटल भवन पर आयोजित किया जायेगा।

नेपाल में चुनाव को लेकर बॉके में सम्पन्न हुई भारत–नेपाल समन्वय बैठक

17 से 20 नवम्बर की मध्य रात्रि तक भारत नेपाल सीमा रहेगी सील

बहराइच। पड़ोसी राष्ट्र नेपाल में आसन्न सामान्य निर्वाचन–2022 को स्वतन्त्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से नेपालगंज, बॉके स्थित सॉल्टी होटल में भारत–नेपाल समन्वय बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में नेपाल साइड से बॉके व बर्दिया तथा इण्डिया साईड से जिलाधिकारी बहराइच डॉ. दिनेश चन्द्र के नेतृत्व में बहराइच व श्रावस्ती जनपद के वरिष्ठ प्रशासनिक, पुलिस, एस.एस.बी., वन सहित अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी बहराइच डॉ. चन्द्र ने आश्वस्त किया कि नेपाल में आसन्न आम चुनाव को स्वतन्त्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने में हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। सी.डी.ओ. बांके सूर्य बहादुर खत्री ने बताया कि आम चुनाव के दृष्टिगत नेपाल सरकार द्वारा 17 नवम्बर की मध्य रात्रि 12 बजे से 20 नवम्बर की मध्य रात्रि 12 बजे तक भारत–नेपाल सीमा आवागमन के लिए बन्द रहेगी। श्री खत्री द्वारा इस अवधि में जनपद बहराइच व श्रावस्ती के अधिकारियों से सहयोग की अपेक्षा की गयी। बैठक के दौरान सीमा स्तम्भों, मादक पदार्थो व मानव तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने, सीमा पर हो रहे सड़क निर्माण, सीमा पर अन्य आवांछीय गतिविधियों पर अंकुश लगाये जाने, वन सम्पदा की सुरक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर भी चर्चा की गयी।

बैठक के अन्त में इण्डिया साइड की ओर से डीएम डॉ. चन्द्र ने नेपाल साइड के अधिकारियों का स्वागत करते हुए कहा कि को–आर्डिनेशन बैठकों से भारत और नेपाल के बीच प्राचीन युग से साझा सांस्कृतिक, ऐतिहासिक व राजनैतिक रिश्तों को प्रगाढ़ करने में अहम भूमिका निभाई है जिसके लिए मैं सभी अधिकारियों का दिल से अभारी हूँ। डॉ. चन्द्र ने कहा कि आज हाल यह है कि भारत और नेपाल के बीच के रिश्तों को रोटी और बेटी के रिश्तों के नाम से याद किया जाता है। डीएम डॉ. चन्द्र ने पिछली देर रात आए भूकम्प पर चर्चा करते हुए कहा कि नेपाल में आए भूकम्प झटकों को उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व दिल्ली में भी महसूस किया गया। इससे भी यह बात साबित होती है कि भूकम्प जैसी दैवीय आपदा में हमारी संवेदनाएं भी साझा रहती हैं। इसका मतलब है कि हम मात्र खुशियों में ही नहीं बल्कि गम में भी बराकर के शरीक हैं।

बैठक के दौरान इण्डिया साइड से जिलाधिकारी श्रावस्ती नेहा प्रकाश, पुलिस अधीक्षक बहराइच केशव कुमार चौधरी, श्रावस्ती के अरविन्द कुमार मौर्या, कमाण्डेण्ट एसएसबी 42वीं बटालियन के तपन कुमार दास, 59वीं बटालियन डिप्टी कमाण्डेण्ट शक्ति सिंह ठाकुर, 62वीं बटालियन आर.के राजेश्वरी, एसडीओ वन कतर्नियाघाट मनीष कुमार शर्मा ने भी सम्बोधित किया। जबकि नेपाल साइड से सी.डी.ओ. बर्दिया बन्धु प्रसाद बस्तोला ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। बैठक के अन्त में दोनों देशों के अधिकारियों ने एक दूसरे को स्मृति चिन्ह भेंट किया तथा फोटो सेशन में भाग लिया। इस अवसर पर इण्डिया साइड से जिलाधिकारी बहराइच डॉ. दिनेश चन्द्र व श्रावस्ती की नेहा प्रकाश, पुलिस अधीक्षक बहराइच केशव कुमार चौधरी व श्रावस्ती के अरविन्द कुमार मौर्या, कमाण्डेण्ट एसएसबी 42वीं बटालियन के तपन कुमार दास व 62वीं बटालियन आर.के राजेश्वरी, 59वीं बटालियन डिप्टी कमाण्डेण्ट शक्ति सिंह ठाकुर, उप जिलाधिकारी नानपारा अजित परेश व मिहींपुरवा (मोतीपुर) ज्ञान प्रकाश त्रिपाठी, पुलिस क्षेत्राधिकारी नानपारा राहुल पाण्डेय, एसडीओ वन कतर्नियाघाट मनीष कुमार शर्मा व आर.ओ. कतर्नियाघाट वी.के. मिश्रा तथा नेपाल साइड से सी.डी.ओ. बांके सूर्य बहादुर खत्री व बर्दिया के बन्धु प्रसाद बस्तोला, एसीडीओ बांके हरिप्रसाद शर्मा व बर्दिया के रमेश पाण्डेय, एसपी बांके श्याम कृष्ण अधिकारी व बर्दिया के वीरेन्द्र बहादर शाही, एसपी एपीएफ बांके जनकराज बसनेत व बर्दिया के जहर सिंह बूढ़ा, एसपीएनआईडी बांके नरेन्द्र राजगिरी व बर्दिया के प्रज्ज्वल खड़का, इस्पेक्टर बर्दिया महेश्वरी बिष्ट मौजूद रहे।

कर्तव्यों के प्रति लापरवाह चिकित्सक के विरुद्ध डीएम ने शासन को लिखा पत्र

बहराइच। जिलाधिकारी डॉ दिनेश चन्द्र द्वारा विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी द्वारा विधानसभा पयागपुर अन्तर्गत सामुदायिक व प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर तैनात चिकित्सकों व स्टाफ द्वारा अपने पदीय दायित्वों के प्रति उदासीनता बरते जाने के सम्बंध में प्राप्त शिकायत का कड़ा संज्ञान लेते हुए मुख्य राजस्व अधिकारी अवधेश कुमार मिश्र, उप जिलाधिकारी कैसरगंज महेश कुमार कैथल, अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य कैसरगंज डॉ एन.के. सिंह, औषधि निरीक्षक से संयुक्त रूप से जांच कर आख्या उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये गये थे। टीम की जांच आख्या के अनुसार प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र देवीदासपुर में तैनात चिकित्सक डॉ प्रशान्त श्रीवास्तव का उपस्थित पंजिका में 27 सितम्बर 2022 तक हस्ताक्षर पाया गया। लेकिन 22 सितम्बर 2022 के हस्ताक्षर तथा अन्य तिथियों में किये गये हस्ताक्षर में विभिन्नता पाये जाने, जांच के समय डॉ श्रीवास्तव का ओपीडी पंजिका न पाये जाने, के सन्दर्भ में फार्मासिस्ट अनिल कुमार तिवारी द्वारा बताया गया कि ओपीडी पंजिका डॉ श्रीवास्तव अपने साथ लेकर चले गये है। डॉ श्रीवास्तव बाराबंकी से आते–जाते है एवं प्रतिदिन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर नहीं आते है और न ही प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर निवास करते है। जांच आख्या में वर्णित तथ्यों के दृष्टिगत डॉ श्रीवास्तव के विरुद्ध कार्रवाई किये जाने हेतु जिलाधिकारी डॉ चन्द्र द्वारा शासन को पत्र प्रेषित किया गया है।

गोकशी करते हुए महिला सहित तीन गिरफ्तार

रूदौली,–अयोध्या। कोतवाली रूदौली अंतर्गत ग्राम ऐथर से पुलिस ने एक महिला सहित तीन गोकशों को गोकशी करते हुए गोकशी में प्रयुक्त औजार व गोमांस सहित गिरफ्तार कर गिरफ्तारी व बरमादगी के आधार पर संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर न्यायालय भेज दिया। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शशिकांत यादव ने बताया कि उपनिरीक्षक विनय कुमार यादव द्वारा गोकशी करते हुए ग्राम ऐथर थाना कोतवाली रुदौली जनपद अयोध्या निवासी मोहम्मद पुत्तन पुत्र शाकिर, मोहम्मद मेराज पुत्र नासिर व साजिदा पत्नी अकबर अली को यादव बाग ग्राम ऐथर से गोकशी करते हुए पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि गोकशों के पास से एक लाल रंग की ग्लैमर मो.सा. नं यूपी–42 एन 2475, 01 अदद चापड़, 01 अदद चाकू, 01 अदद छिनी, 01 अदद कुल्हाड़ी, 01 अदद ठेहा लकड़ी का, 01 अदद हथौड़ी, 01 अदद रस्सी, 01 अदद तराजू व बाट (2 किलोग्राम व 500 ग्राम का), दो पैकट काली पन्नी व 80 किग्रा गोमांस बरामद किया गया है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ.नि. विनय कुमार यादव, महिला का. सरिता गुप्ता, का. अनुज यादव, का. धर्मेन्द्र यादव, का. विक्रम सिहं, का. अरविन्द कुशवाहा शामिल रहे।

समूह की महिलाओं के साथ सहजता से पेश आये बैंकर्स : बद्री प्रसाद

बीकापुर–अयोध्या । एनआरएलएम महिलाओं के उत्थान एवं गरीबी उन्मूलन की एक अति महत्वपूर्ण योजना है इसके संचालन में बैंक की महत्वपूर्ण भूमिका है बैंक इसके संचालन में सहजता एवम सरलता दिखायें । उक्त बात की अपील आज विकासखंड मसौधा के सभाकक्ष में हुई बीएलबीसी की बैठक को संबोधित करते हुए बैठक की अध्यक्षता कर रहे संयुक्त खंड विकास अधिकारी बद्री प्रसाद वर्मा ने उपस्थित शाखा प्रबंधको से करते हुए बताया कि एनआरएलएम सरकार द्वारा चलाई जा रही गरीबी उन्मूलन की एक ऐसी महत्वपूर्ण योजना है जिसमें गांव से गरीबी दूर करने के साथ महिलाओं का उत्थान भी शामिल है। गांव की महिलाओं में अभी भी अशिक्षा एवं हिचक भरा पड़ा है। बैंक में पहुंचने पर यदि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ सरलता एवं सहजता से पेश नहीं आया जाएगा तो वे योजना से कुंठित होकर घर बैठ जाएंगी और योजना समाप्त हो जाएगी । एन आर एल एम के तहत बनाए गए समूह के गठन एवं खाता खोलने से लेकर समूह की ग्रेडिंग करने उसे आरएफ, सीआईएफ, सीसीएल दिलाने एवम उसे स्थायित्व प्रदान करने तक विकासखंड कर्मियों के साथ बैंकर्स का काफी योगदान रहता है। संयुक्त खंड विकास अधिकारी श्री वर्मा ने बीएलबीसी में अपने संबोधन में एनआरएलएम सहित सभी सरकारी योजनाओं के संचालन में बैंकर्स को ग्रामीणों के साथ सरलता एवं सहजता दिखाने की अपील की। बीएलबीसी की इस बैठक में डीएमएम डॉ0 प्रदीप वर्मा एन आर एल एम के प्राप्त लक्ष्य को समय सीमा के अंदर पूर्ण करने की सभी शाखा प्रबंधको से अपील की। बैठक में एलडीएम नीरजकुमार ने सभी शाखा प्रबंधकों को सरकारी योजना में पूरा सहयोग करते हुए लक्ष्य के अनुरूप पूर्ति करने का निर्देश दिया। बीएलबीसी इस बैठक का संचालन सहायक विकास अधिकारी आईएसबी संतोष पांडे ने किया। बैठक में मुख्य रूप से सहायक विकास अधिकारी नरेंद्र कुमार पांडे, सहायक विकास अधिकारी समाज कल्याण अनिकेत कुमार पांडे, बी एम एम सुश्री निधि श्रीवास्तव, शैलेश कुमार वर्मा, पवन कुमार वर्मा ने संबोधित करते हुए शाखा प्रबंधकों से लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ति करने में सहयोग करने की अपील किया। बी एल बी सी की इस बैठक में मुख्य रूप से शाखा प्रबंधक आर शेट्टी से अविनाश किशोर , बड़ौदा यूपी बैंक से रविंद्र सिंह, राजेश खत्री, ऋचा सिंह, बीओबी से प्रमोद कुमार दुबे, अभिषेक कुमार , मो 0 जावेद, पीएनबी से आफताब शेख, एवं खादी ग्रामोद्योग से डॉ0 मोहम्मद सलीम सहित अन्य बैंकर एवं बैंक सखी उपस्थित रहे।

राम लीला का भव्य कार्यक्रम गैसड़ी में सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

गैसड़ी/बलरामपुर। स्थानीय विकास क्षेत्र के ग्राम पंचायत

भदुई के मजरे कन्हईडीह में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी रामलीला का आयोजन किया गया। रामलीला मंचन कार्यक्रम के पांचवे दिन स्थानीय कलाकारों द्वारा रामलीला मंचन में अहम भूमिका निभाई गई। लीला देखकर दर्शकों का मन मोह गया वही दर्शकों ने स्थानीय कलाकारों की सरहना की और कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए कार्यक्रमों का लोगों ने जगह जगह बखान भी किया मंचन कार्यक्रम के पांचवे दिन पंचवटी से लेकर शबरी आश्रम तक निम्न प्रकार के लीलाओं को दिखाया गया। स्थानीय कलाकार राम उजागर यादव ने राम का रोल किया इस दौरान खरदूषण का राम ने बध किया तो वहीं अमरनाथ यादव लक्ष्मण का भूमिका निभाते हुए सुपर्णखा का नाक कान काटी इसी दौरान सुपर्णखा का रोल अदा कर रहे कलाकार कल्लू भारती ने रावण दरबार में रोते बिलखते हुए पहुंची और कही कि मेरी नाक कटी तो कटी पर अपनी नाक बचा लो तुम जग में ऊंचा नाक नहीं तो नकटा नाम धरा लो तुम.सहित अन्य लीलाओं का मंचन किया गया इस मौके पर कलाकार संदीप कुमार पांडे रावण, राम तीरथ यादव राजा दशरथ, सुधीर प्रजापति राजा जनक का रोल अदा किया। रामलीला मंचन शुभारंभ कार्यक्रम का उद्घाटन युवा समाजसेवी रामपाल यादव, अलंकार यादव, चंद्र प्रकाश यादव, रक्षाराम यादव सहित अन्य सहयोगियों ने किया। राम लीला में भारी भीड़ उपस्थित रही।

जिला कारागार में विधिक जागरुकता शिविर का किया गया आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ज्ञानेन्द्र कुमार द्वारा जिला कारागार बलरामपुर में हक हमारा भी तो है। अभियान के तहत विधिक साक्षरता एवं जागरुकता अभियान के माध्यम से बन्दियों को मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य तथा नागरिकों के सशक्तिकरण, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कानून के प्रति जेल में निरुद्ध महिलाओं एवं पुरुष बंदियों के अधिकारों हेतु विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया।शिविर के दौरान उन्होंने जेल में निरुद्ध बन्दियों को हक हमारा भी तो है। अभियान के अन्तर्गत विधिक साक्षरता एवं जागरुकता के माध्यम से नागरिकों के मौलिक अधिकार, कर्तव्य तथा नागरिकों के सशक्तीकरण, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कानूनी जानकारी दी गयी। जेल में निरुद्ध बन्दियों से उनकी समस्याओं को पूछा गया तथा महिलाओं के अधिकारों हेतु जागरूकता शिविर के माध्यम से महिला बन्दियों को कानूनी जानकारी दी गयी। महिला एवं पुरुष बन्दियों से उनके मुकदमें की पैरवी के लिए अधिवक्ता की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली गयी। किसी महिला एवं पुरुष बन्दी द्वारा अधिवक्ता की मांग नहीं की गयी, न ही कोई समस्या बताई गयी। 12 नवम्बर को होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में निरुद्ध बन्दियों को जानकारी दी गई कि छोटे–छोटे मामलों को लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित करा सकते है। इस दौरान उपकारपाल, सुरक्षाकर्मी मौजूद रहे।

परिषदीय विद्यालयों में किताब वितरण का दावा खोखला

मिल्कीपुर–अयोध्या । बेसिक शिक्षा विभाग परिषदीय स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को भले ही किताब उपलब्ध कराने का दावा कर रहा हो, लेकिन या दावा महज कागजों तक सीमित रह गया है। किताबें बीआरसी केंद्र पर पटी पड़ी है और अफसर बच्चों तक किताब पहुंचाने का दावा कर अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। स्कूलों में बच्चे बिना किताब के ककरहा सीख रहे हैं। मिल्कीपुर बीआरसी कार्यालय पर किताब डंप मिली है। अफसरों की लापरवाही से किताबें बच्चों तक नहीं पहुंच रही है। इस लापरवाही के चलते किताब वितरण को लेकर अफसरों के दावे पर सवाल खड़े हो गए हैं। मिल्कीपुर शिक्षा क्षेत्र में 145 परिषदीय स्कूल व 1 कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय है, सत्र के शुरुआत में ही इन बच्चों को किताब उपलब्ध कराने का नियम है, लेकिन किताबों के टेंडर प्रक्रिया और फिर छपाई में हुई देरी के चलते 4 महीने तक बच्चों को किताबें नहीं मिल पाई। सितंबर के शुरुआत में आपूर्ति शुरू हुई तो यह उम्मीद जगी थी की आधे सत्र के पहले बच्चों को किताबें मुहैया करा दी जाएगी। शासन स्तर से किताब आवंटित होने के बाद जिला मुख्यालय भेजी गई वहां से ब्लॉक बी आर सी कार्यालय भेजी गई स्कूलों तक किताब पहुंचाने की जिम्मेदारी खंड शिक्षा अधिकारियों को सौंपी गई थी। लेकिन अफसरों की लापरवाही के चलते यह किताबें बीआरसी कार्यालय पहुंचकर डंप हो गई है। खंड शिक्षा अधिकारियों की लापरवाही के चलते किताबें स्कूलों तक नहीं पहुंची। डंप पड़ी किताबों के बारे में जब वहां मौजूद कर्मचारियों से पूछा गया तो पहले तो कुछ बताना ही ठीक नहीं समझा बाद में बताया कि इन किताबों को जिला मुख्यालय भेजा जाना है इसीलिए यहां रखी हुई है। वही कई अध्यापकों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अभी सभी किताबें विद्यालयों में उपलब्ध नहीं है किताबी आ जा रही है। वही जब खंड शिक्षा अधिकारी मिल्कीपुर इंदिरा देवी को फोन किया गया तो वह फोन उठाया और जैसे ही किताबों के संबंध में जानकारी चाही गई उन्होंने तुरंत फोन काट दिया।

सांसद जगदंबिका पाल एंव विधायकों के चक्रव्यू में फसे अधिकारी, झूठे रिपोर्टो की खुली पोल

राजेश शर्मा/
दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को जिला ग्रामीण विकास अभिकरण द्वारा आयोजित निगरानी समिति की बैठक में सांसद जगदंबिका पाल के कड़े तेवरों के आगे अधिकारियों की हालत खराब हो गई जहां अधिकारी झूठे रिपोर्टों के सहारे बैठक में शामिल हुए थे वहीं सांसद जगदंबिका पाल के कड़े तेवर देखकर वह भी सहम गए, सांसद की बातो में हां मिलाते हुए एमएलसी ध रुव कुमार त्रिपाठी भी अपने रंग में नजर आए साथ ही सदस्य विधान परिषद सुभाष यदुवंशी भी अधिकारियों से झूठी रिपोर्ट पेश करने से मना करते नजर आए। बैठक की अध्यक्षता कर रहे सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल के दिनॉक 08 जून 2022 को सम्पन्न जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक की तैयार की गयी कार्यवृत्त एवं अनुपालन आख्या का अवलोकन करके विभागवार समीक्षा की गयी थी। सांसद जगदम्बिका पाल ने जिलाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि बाढ़ में जिन लोगो का घर गिरध्क्षतिग्रस्त हो गया है उन्हें मुख्यमंत्री आवास दिलाना सुनिश्ति करे। इसके अलावा बाढ़ में क्षतिग्रस्त फसलो का सर्वे कराकर उन्हें मुआबजा दिलाना सुनिश्ति करे। बैठक में अधिशासी अभियन्ता सरयू नहर खण्ड–3 बलरामपुर के अनुपस्थित रहने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। मा0 सांसद जी ने भोजपुर–शाहपुर बांध के निर्माण हेतु किसानो से वार्ता कर भूमि अधिग्रहण कर बांध का निर्माण कराये। इसके अलावा अधिशासी अभियन्ता लो0नि0वि0 को खरकरी से तिघरा घाट तक सड़क की मरम्मत कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने मा0 सांसद डुमरियागंज जी को जानकारी देते हुए बताया कि बानगंगा शोहरतगढ़ एवं राप्ती नदी बांसी पर घाट एवं सीढ़ीध्सुन्दरीकरण हेतु प्रस्ताव बनाकर नमामि गंगे को भेजा गया है। अधिशासी अभियन्ता जल निगम ने मा0 सांसद तथा अन्य सदस्यों का अवगत कराया कि जनपद में 939 ग्राम पंचायतो के कार्य स्वीकृत हुआ था जिसमें से 795 में डी0पी0आर0 बनके चला गया है।

इसमें मेघा इंजीनियरिंग कम्पनी को 400 तथा एच.सी. एल. कम्पनी को 539 गांवो में कार्य की सवीकृति प्राप्त हुई है। मा0 सांसद जी ने पानी की टंकी के निर्माण के दौरान सड़को को खोदकर छोड़ देने के संबध ा में जानकारी चाही गयी। जिलाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि 100 दिन की टेस्टिंग के बाद संबधित कम्पनी द्वारा सड़क को ठीक करा दिया जाता है। मा0 सांसद डुमरियागंज ने उप निदेशक मण्डी समिति (निर्माण) को मण्डी समिति की सड़को को गड्ढा मुक्त कराने का निर्देश दिया। मनरेगा विभाग की समीक्षा के दौरान उपायुक्त मनरेगा ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद सिद्धार्थनगर 20 हजार मानव दिवस सृजन के साथ प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। सांसद ने अमृत सरोवर का निर्माण 45 दिनों में पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। सांसद ने अधिशासी अभियन्ता प्रधनमंत्री ग्रम सड़क योजना को निर्देश दिया कि कार्य प्रारम्भ होने से पूर्व जनप्रतिनिधियों से शिलान्याश कराकर की कार्य प्रारम्भ करे। समाज कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि जनपद में 84001 लाभार्थी को वृद्धावस्था पेंशन का लाभ मिल रहा है।

13532 दिव्यांग तथा 27533 विधवा पेंशन के लाभार्थी को पेंशन मिल रही है। इस बैठक में निर्धारित किये गये एजेन्डा बिन्दु के अनुसार समीक्षा की गयीरू– महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, दीन दयाल अन्त्योदय योजना, दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रध ाानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कृ षि सिंचाई योजना, राष्ट्रीय भू–अभिलेखो का आधुनिकीकरण कार्यक्रम, दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना आदि कुल 43 बिन्दुओ की समीक्षा की गयी। इसके अलावा ग्राम्य अभियन्त्रण विभाग द्वारा प्रधानमंत्री सड़क योजनान्तर्गत मार्गों की प्रगति विभिन्न प्रकार की पेंशन योजनाएं राष्ट्रीय सामाजिक सहायता सहायता कार्यक्रम, प्रधानमन्त्री आवास ग्रामीण एवं प्रधानमंत्री आवास शहरी की समीक्षा की गयी।

स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत शौचालायों की प्रगति की समीक्षा की गई। मा0 सांसद डुमरियागंज ने जिलाधिकारी श्री संजीव रंजन को निर्देश देते हुए कहा कि सभी अधिकारियों के साथ अलग से समीक्षा कर बन्धो, सड़को के निर्माण की भी समीक्षा कर समय से कार्य पूर्ण कराये। केन्द्र सरकार द्वारा राज्य सरकार को दी जाने वाली योजनाओ का लाभ जनता तक पहुँचे। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिया कि शासन की मंशानुरूप कार्य करे। किसी भी कार्य में यदि कोई समस्या आती है तो मेरे स्तर से अर्द्धशासकीय पत्र शासन को प्रेषित करे जिससे कि किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार द्वारा बैठक में सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक इटवा माता प्रसाद पाण्डेय, विध ायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा, विधायक डुमरियागंज सैय्यदा खातून, सदस्य विधान परिषद श्री ध्रुव कुमार त्रिपाठी, सदस्य विधान परिषद सुभाष यदुवंश, अध्यक्ष जिला पंचायत प्रतिनिधि ा उपेन्द्र सिंह तथा समिति के सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया गया।इस बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) उमाशंकर, अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ, पी.डी. नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला विकास अधि ाकारी शेषमणि सिंह, डी0सी0मनरेगा संजय शर्मा, डी0सी0एन0आर0एल0एम0 योगेन्द्र लाल भारती, अधीक्षण अभियन्ता विद्युत, अधि0अभि0 लो0नि0वि0 (प्रा0ख0), विद्युत वितरण खण्ड सिद्धार्थनगर, जिला पंचायत राज अधिकारी आदर्श, जिला खाद्य विपणन अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश मिश्र, अपर मुख्य अधि ाकारी जिला पंचायत, तथा जनप्रतिनिधिगण, निगरानी समिति के सदस्यगण एवं जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

1500 करोड़ का बजट, सारे काम अधूरे

राजेश शर्मा

सिद्धार्थनगर। जनपद के आकांक्षी जिला का जो तमगा लगा हुआ है निश्चित रूप से निष्क्रिय अधिकारियों की देन यह लग रहा है जनपद में इस समय ग्राम पंचायतों में बनने के लिए पानी की टंकियों का निर्माण किया जा रहा है जिसको लेकर जनपद में लगभग 1500 करोड़ का बजट आया है यह एक भारी–भरकम बजट है लेकिन जल निगम के अधिशासी अभियंता राजेंद्र सिंह को मालूम ही नहीं जनपद में कितने टंकियों का निर्माण हुआ है और कितनी टंकियों का निर्माण होना बाकी है वह हर समय सहायक अभियंता को ही देखते नजारा है जिसको लेकर सांसद जगदंबिका पाल ने कड़ी फटकार लगाई सांसद ने जिलाधिकारी को एक समिति बनाकर इसको जांच करने का आदेश भी दिया रामनगर में पानी की टंकी में जहां सांप के मरने की खबर आई वहीं अधिकारी द्वारा इसे गलत करार दिया गया लेकिन प्रतिनिधियों के सामने झूठी रिपोर्ट का सहारा लेकर जल निगम के अधिशासी अभियंता का बोलना महंगा पड़ा, सारी पोल उनकी खुलती नजर आई।

सामुदायिक शौचालयों की जनपद में हालत खराब-नरेंद्र मणि त्रिपाठी

राजेश शर्मा

सिद्धार्थनगर। जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा जनपद में सामुदायिक शौचालय के ना चलने के बारे में जब सांसद जगदंबिका पाल के द्वारा पूछा गया तो वह झूठी रिपोर्ट का सहारा लेते हुए लगभग सभी को पूर्ण करने की बात कही जबकि जनपद में अधिकांश सामुदायिक शौचालय का संचालन ही अभी नहीं हो पा रहा है या हो भी रहा है तो वह सही ढंग से नहीं हो रहा है कइयों में तो जांच भी अभी लगा हुआ है लेकिन अधिकारी इसे पूरा कराने में किसी प्रकार की कोई रुचि नहीं ले रहे हैं इसी प्रकार से नरेंद्र मणि त्रिपाठी ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने कहा कि उनके ब्लॉक में कई ग्राम पंचायत ऐसे हैं जहां पूर्व प्रधानों के द्वारा चार चार शौचालयों को एक ही परिवार में आवंटित कर दिया गया है लेकिन उसकी भी जांच करने के लिए कोई अधिकारी नहीं है केवल और केवल भाजपा कि सरकार को बदनाम करने का प्रयास अधिकारियों का हो रहा है। इसी तरह जिला जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा भनवापुर,खुनियांव,डुमरियागंज आदि ब्लॉकों में मनमानी ढंग से सफाई कर्मचारियों का ट्रांसफर का भी मुद्दा जोर शोर से गुजता रहा।

भाजपा किसान मोर्चा जिला प्रशिक्षण वर्ग हुआ संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर कल शुक्रवार को किसान मोर्चा प्रशिक्षण वर्ग कराया गया जिसकी अध्यक्षता कर रहे किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष अजय शर्मा रहे वर्ग प्रशिक्षण सुबह 9 बजे से 4 बजे तक चली मुख्य अतिथि में गोरखपुर के क्षेत्रीय किसान मोर्चा महामंत्री लाल जी यादव रहे वही महामंत्री ने जिलाध्यक्ष और मंडल पदाधिकारियों को कहा कि सभी किसान मोर्चा के कार्यकर्ता जनता के पास जाकर सरकार की उपलब्धियों को बारे में बताए। वर्ग प्रशिक्षण में सांसद जगदंबिका पाल भी पहुंचे और लोगो को संबोधित करते हुए कहे की भाजपा की सरकार गरीब के हितों में काम कर रही है और भारतीय जनता पार्टी की सरकार विश्व के सबसे अच्छी पार्टी बन गई है और भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष गोविंद माधव ने कहा कि भाजपा की सरकार में गरीबों के लिए काम कर रही है जिले में किसी को विश्वास नहीं था कि मेडिकल कॉलेज हो पाएगा जो कांग्रेस नही कर पाई वह अब भाजपा की सरकार कर रही है। प्रशिक्षण वर्ग में उपस्थित सांसद जगदंबिका पाल,जिला अध्यक्ष गोविंद माधव, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष अजय शर्मा, जिला महामंत्री विजय कांत चतुर्वेदी,जिला महामंत्री किसान मोर्चा अविनाश शुक्ला, सोशल मिडिया प्रभारी सौरभ शर्मा, रामेश्वर पांडेय, प्रमोद ठाकुराई, अनुपमा सिंह आदि लोग रहे मौजूद।

नियमों को ताख पर रखकर, सड़कों पे चल रहे वाहन

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। परिवहन विभाग जहां अभियान चला के

लोगों को जागरूक कर रहा है, वही लोगों को कोई फर्क ही नहीं पड़ रहा है। सड़कों पे आवश्यकता से अधिक बोझ लाद कर वाहन तेज रफ्तार से चल रहे हैं। सड़कों पे जहां मोटर साइकिल का उपयोग आवागमन के लिए प्रयुक्त होना चाहिए वहीं लोग अपनी जान जोखिम में डालकर मोटर साइकिल पर आवयशयकता से अधिक बोझ लाद कर चल रहें हैं वे अपनी जान को जोखिम में तो डाल ही रहे हैं साथ ही साथ सड़क पर चल रहे वाहनों के लिए बड़े खतरे से कम नहीं हैं ऐसी दशा में अगर कोई भयानक दुर्घटना हो जाए तो इस दुर्घटना का कौन जिम्मेदार होगा। क्या ऐसी दशा में वाहन स्वामियों के खिलाफ उचित करवाई नही होनी चाहिए।

स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयन्ती मनाई गई

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर।मौलाना अबुल कलाम आजाद के जयंती के अवसर पर सामजसेवी व समाजवादी पार्टी यूथ ब्रिगेड के निवर्तमान राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य खुर्शीद अहमद खान ने कहां कि मौलाना अबुल कलाम आजाद ने देश की आजादी की लड़ाई में मुसलमानो भूमिका को तय किया तथा तमाम

बड़े नेताओं के बीच समजस्य बनाने का काम किया। संबिध ान सभा में अल्पसंख्यको के अधिकारों और हितों की बातें पुरजोर से उठाते रहें।तथा देश के प्रथम शिक्षा मंत्री के रूप में मुल्क की तरक्की और खुशहाली के लिए हर वो कार्य किये जिसके कारण भारत का विश्व बिरादरी में दबदबा कायम हुआ।संचालन करते हुए समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा के निवर्तमान प्रदेश सचिव शौकत अली ने कहाकि मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसी शख्सियत से हम सभी को सीखा लेना चाहिए और उनके पद चिन्हो पर चलना चाहिए।इस दौरान कार्यक्रम को जुबैर अहमद मुकेश कुमार तथा मो0 हुसैन ने सम्बोधित किया।इस दौरान सलमान अहमद,मो0 उस्मान, रियाज अहमद, रवि यादव, महफूज खान,आदिल,नीलेश पांडेय, रेहान खान, हुसैन, अब्दुल राजिक,व शहरान खान सहित अन्य लोग उपास्थि रहें।

30वें बेसिक बाल क्रीड़ा समारोह प्रतियोगिता का शुभारंभ

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में शुरू

30वें बेसिक बाल क्रीड़ा समारोह के पहले दिन शुक्रवार को बच्चों के शारीरिक दक्षता व पात्रता का परीक्षण किया गया। इसके लिए प्रतिभागी बच्चों की लंबाई ,वजन व उम्र के हिसाब से प्राथमिक व जूनियर वर्ग के लिए अलग–अलग मानक निर्धारित हैं। इस मानक में न आने वाले बच्चों को प्रतिभाग करने की अनुमति नहीं दी गई। प्राथमिक स्तर बालक वर्ग खो–खो प्रतियोगिता में नौगढ़ तहसील अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय परसा खुर्द ने इटवा को परास्त किया। प्राथमिक वर्ग के बालक व बालिका वर्ग के कबड्डी प्रतियोगिता में नौगढ़ तहसील विजयी रही जबकि शोहरतगढ़ उपविजेता रहा। आयोजन में समस्त विकास क्षेत्रों के बीईओ सहित जिला व्यायाम शिक्षक उपेंद्र उपाध्याय सहित जीशान खलील, आरती चौधरी, महेश कुमार, नियाज कपिलवस्तवी, गुलाम हुसैन, मुस्तन शेरुल्लाह, रवींद्र गुर्जर, अभय श्रीवास्तव, सुभाष जायसवाल, माहेश्वरी पाठक, सुभाष वरूण, शशिकांत पांडे, अनिल पांडे, सत्येंद्र गुप्ता, सौम्य सोनकर, सत्य प्रकाश, केसरी, राजकुमार, सुग्रीम, विपिन आदि की भूमिका उल्लेखनीय रही। प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन शनिवार को पूर्वान्ह 10 बजे होगा जिसमें डुमरियागंज सांसद जगदम्बिका पाल बतौर मुख्य अतिथि व कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही बतौर विशिष्ट अतिथि सम्मिलित होंगे।

पूर्व विधायक ने अमरगढ़ महोत्सव आने का दिया न्यौता

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज के पूर्व विधायक एवं निवर्तमान हियुवा प्रदेश प्रभारी राघवेंद्र प्रताप सिंह ने अमरगढ़ महोत्सव को लेकर शोहरतगढ़ वासियों से मिले और अमरगढ़ महोत्सव में आने का न्यौता

दिया। डुमरियागंज। बताते चले कि अमरगढ़ के शहीदों की याद में आयोजित होने वाले अमरगढ़ महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि डुमरियागंज की धरती ऐतिहासिक है। यहां वीर सपूतों के बलिदान को याद करने के लिए इस बार 26 नवंबर को भव्य मेला व अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शहीदों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। इस बार भी शहीद स्थल पर भव्य मेला लगेगा। प्रदेश सरकार की तरफ से भी सहयोग की अपील की गई है। उन्होंने उपस्थित स्थानीय अधिकारियों को रूपरेखा तैयार करने व पार्टी कार्यकर्ताओं से प्रचार–प्रसार करने की अपील की। इस दौरान निवर्तमान हियुवा जिला महामंत्री अजय सिंह, चौयरमैन पुत्र अमित गुप्ता, दीपू वर्मा, अशोक दूबे, घनश्याम गुप्ता, लालबाबू गौड़, राघवेंद्र द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

इजराइल में नेतन्याहू का पुनरोदय

उन्होंने ओबामा–काल में ईरान के साथ हुए परमाणु–समझौते का विरोध किया और ईरान के विरु) परमाणु शस्त्रास्त्रों के प्रयोग की धमकी भी दी। उनके ईरान–विरोध ने अरब देशों के सुन्नी शासकों को इजराइल के नजदीक ला दिया। अब इजराइल के मिस्र, सउदी अरब, जोर्डन, यूएई, बहरीन, मोरक्को, ...

हाल के सालों में इजराइल में जितनी फुर्ती से सरकारें बनती और बिगड़ती रही हैं, दुनिया के किसी अन्य लोकतंत्र में ऐसे दृश्य देखने को नहीं मिलते। बेंजामिन नेतन्याहू लगभग डेढ़ साल बाद फिर दुबारा प्रधानमंत्री बन गए। उनका यह पुनरोदय असाधारण हैं। वे इजराइल के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं, जो वहीं पैदा हुए हैं। उनसे पहले जो भी प्रधानमंत्री बने हैं, वे बाहर के किन्हीं देशों से आए हुए थे। जब 1948 में इजराइल का जन्म हुआ था, तब जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन और अमेरिका आदि कई देशों के गोरे यहूदी लोग वहां आकर बस गए थे।

उन्हीं में से एक का बेटा जो 1949 में जन्मा था, अब इजराइल का ऐसा प्रधानमंत्री है, जिससे ज्यादा लंबे काल तक कोई भी प्रधानमंत्री नहीं रहा। 47 साल की उम्र में इजराइल के प्रधानमंत्री बनने वाले वे सबसे कम उम्र के व्यक्ति थे। वे कई बार हारे और जीते। उन्हें दक्षिणपंथी माना जाता है। वे फौज के सिपाही होने के नाते 1967 के अरब–इजराइल युद्ध में अपनी बहादुरी दिखा चुके थे। यह वह वक्त था, जब इजराइल ने डंडे के जोर पर सीरिया से गोलान की पहाडियां, जोर्डन का पश्चिमी किनारा, गाजा पट्टी और पूर्वी यरूशलम पर कब्जा कर लिया था। उस आक्रामक संस्कार से मंडित नेतन्याहू ने जब इजराइली राजनीति में प्रवेश किया तो वे अरब–विरोधियों के प्रवक्ता बन गए। नरमपंथी प्रधानमंत्री यित्जाक राबिन की हत्या के बाद 1996 में हुए चुनाव में इजराइल की जनता ने घनघोर अरब–विरोधी नेतन्याहू को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बिठा दिया।

नेतन्याहू उस श्ओस्लो एकार्ड्य के विरोधी थे, जो इजराइल और फलिस्तीन के दो राज्यों को मान्यता दे रहा था। दो राज्यों का यह समाधान आतंकवाद की भेंट चढ़ गया और नेतन्याहू ने उस समझौते की धुर्रियां बिखेर दीं। उन्होंने इजराइल द्वारा कब्जाए गए इलाकों को खाली करने से मना कर दिया, अरबों को इजराइल से निकाल बाहर करने की मुहिम चलाई और फलिस्तनियों से समझौते के सारे रास्ते बंद कर दिए। नेतन्याहू ने अमेरिका से नजदीकी बढ़ाई और ईरान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अभियान छेड़ दिया। उन्होंने ओबामा–काल में ईरान के साथ हुए परमाणु–समझौते का विरोध किया और ईरान के विरुद्ध परमाणु शस्त्रास्त्रों के प्रयोग की धमकी भी दी। उनके ईरान–विरोध ने अरब देशों के सुन्नी शासकों को इजराइल के नजदीक ला दिया। अब इजराइल के मिस्र, सउदी अरब, जोर्डन, यूएई, बहरीन, मोरक्को, सूडान आदि राष्ट्रों से भी ठीक–ठाक संबंध बन गए हैं। भारत और रूस के साथ भी इजराइल के संबंध पहले से बेहतर बनाने में नेतन्याहू का विशेष योगदान है। उन्हीं के प्रयत्न के फलस्वरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इजराइल गए थे और वे खुद दो बार भारत आ चुके हैं। भारत के साथ इजराइल के सामरिक, व्यापारिक और कूटनीतिक संबंध पहले से भी ज्यादा घनिष्ट होने की संभावना है लेकिन फलस्तीन का मामला अब ज्यादा उलझ सकता है, क्योंकि नेतन्याहू की सरकार में यहूदी उग्रवाद के प्रवक्ता भी शामिल हैं।

विपक्ष के लिए संदेश

विपक्ष को यह स्वीकार करना चाहिए कि भाजपा ने अपने लिए एक मजबूत सामाजिक आधार तैयार कर लिया है। उसने 1990 के दशक में उपजे अनेक समीकरणों को खुद में समाहित कर लिया है। भाजपा विरोधी दलों और समूह अगर चाहें, तो रविवार को आए उप चुनाव नतीजों से एक खास संदेश ग्रहण कर सकते हैं। संदेश यह है कि भाजपा से निपटने की जिस रणनीति के भरोसे वे बैठे हैं, वह कारगर नहीं हो रही है। बल्कि केंद्र की सत्ता में आने के आठ साल बाद आज भी पहल भाजपा के हाथ में ही बनी हुई है। वरना, दक्षिण के तेलंगाना से लेकर पूरब में ओडीशा तक उसके समर्थन आधार में विस्तार होता नजर नहीं आता। वैसे विपक्ष को सबसे बड़ा झटका बिहार की गोपालगंज सीट पर मिला। पिछले अगस्त में जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पाला बदला था, तब राजनीति के दो दशक पुराने व्याकरण में अब तक उलझे समीक्षकों ने एक स्वर से कह दिया था कि अब कम से कम बिहार में तो सियासी सूरत बिल्कुल पलट जाएगी। तुरंत 2024 के आम चुनाव के लिए भविष्यवाणी करते हुए कहा गया था कि उसमें 2019 की तरह ही एकतरफा, लेकिन उलटी दिशा में नतीजा आएगा। लेकिन नीतीश कुमार के पाला बदल वोटों के कथित रूप से अपेक्षित श्क्वांटम शिफ्ट्य के विपरीत भाजपा गोपालगंज सीट बचाने में सफल रही। अब विपक्ष के लिए यह सिर्फ ढाढस बंधाने के तर्क हैं कि 2020 की तुनाल में भाजपा की जीत का अंतर 36 हजार से घट कर दो हजार पर आ गया। या यह कि अगर ओवैसी की पार्टी और साधू यादव की पत्नी ने मिल कर 19 हजार वोट नहीं काट दिए होते, तो कहानी उलटी होती। यह अगर हर चुनाव का स्थायी अगर है। बहरहाल, इस नतीजे का सबक यह है कि बिहार में भाजपा अपने बूते एक मजबूत ध्रुव बन चुकी है। बेशक ऐसा होने के पीछे उसके पास मौजूद अकूत संसाधान और प्रचार माध्यमों पर उसका पूरा नियंत्रण एक पहलू है। लेकिन इसके साथ ही विपक्ष को यह स्वीकार करना चाहिए कि भाजपा ने अपने लिए एक बेहद मजबूत सामाजिक आधार भी तैयार कर लिया है। उसने 1990 के दशक में उपजे अनेक तर्कों और समीकरणों को खुद में समाहित कर लिया है। जब तक इस सच को स्वीकार विपक्षी समूह अपनी रणनीति नहीं बनाएंगे, वे हर चुनाव का नतीजा आने के बाद मायूस होने के लिए अभिशप्त बने रहेंगे।

भारत में डिजिटल भुगतान की सुविधा

सरकार अगर वाकई चुनावों में पारदर्शिता और ईमानदारी से वित्तप्रबंध करना चाहती है, तो उसे इस विषय के जानकार लोगों और अन्य राजनैतिक दलों से परामर्श कर कोई तर्कसम्मत फैसला लेना चाहिए, जिससे अनावश्यक विवाद खड़े न हों। अभी जिस तरह चुनाव से पहले चुनावी बश्रन्ड की बिक्री के लिए दिन बढ़ाने का फैसला लिया गया है, वह सीधे नीयत पर सवाल उठाता है। इससे भाजपा पर तो ...

अजय दीक्षित

हाल के वर्षों में भारत ने अपनी शासन व्यवस्था में तकनीकी क्रांति को देखा है । सरकारी सेवाओं को धीरे धीरे और लगातार तकनीक के साथ जोड़ा जा रहा है और आज अंतिम व्यक्ति तक सेवाएं माउस के केवल एक क्लिक के साथ कुछ ही सेकंडों में पहुंच रही हैं । वित्तीय क्षेत्र और अर्थव्यवस्था को डिजिटल बनाने की भारत सरकार की रणनीति के मद्देनजर पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल भुगतान लेन–देन लगातार बढ़ रहे हैं । भारत के परिवर्तित डिजिटल भुगतान परिदृश्य के केन्द्र में प्रमुख प्रवर्तक जैम ट्रिनिटीकृ जन धन, आधार और मोबाइल है । प्रधानमंत्री जन–धन योजना (पीएमजेडीवाई) दुनिया में सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन पहलों में से एक है, जिसे अगस्त, 2014 में शुरू किया गया था, ताकि बैंकिंग सेवाओं से दूर प्रत्येक परिवार को इसके दायरे में लाया जा सके। जन–धन खातों, आधार और मोबाइल सेवाओं ने एक साथ मिलकर श्डिजिटल इण्डियाश की नींव रखने में मदद की है, जिसके माध्यम से बिना किसी बिचौलिए के नागरिकों तक सरकारी सेवाओं को सुगमता से पहुंचाया जा रहा है । डिजिटल इंडिया का एक प्रमुख उद्देश्य श्फेसलेस, पेपरलेस, कैशलेसश सेवाओं के लक्ष्य को हासिल करना है । हमारे देश के प्रत्येक वर्ग को डिजिटल भुगतान सेवाओं के दायरे में लाने के लिए भारत सरकार द्वारा डिजिटल भुगतान को देकर डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र को बदला जा रहा है ।

भारत सरकार ने डिजिटल भुगतान समाधान ई–रुपी भी लॉन्च किया, जो डिजिटल भुगतान के लिए एक कैशलेस और सम्पर्क रहित साधन है, जिससे देश में डिजिटल लेनदेन में बढ़ोत्तरी के साथ ही प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) को और अधिक प्रभावी बनाया गया है । इन सभी सुविधाओं ने मिलकर एक डिजिटल वित्त अर्थव्यवस्था के लिए मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र तैयार किया है । यूपीआई को भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र में एक क्रांतिकारी उत्पाद बताया गया है । इसका शुभारंभ 2016 किया गया, यह आज डिजिटल लेनदेन करने के लिए देश में सबसे लोकप्रिय उपकरणों में से एक के रूप में उभरा है । यूपीआई ने डिजिटल भुगतान को एक आदत बनाने और भारत को कैशलेस अर्थव्यवस्था की ओर मजबूती से खड़ा करने में एक लम्बा सफर तय किया है । अकेले अगस्त, 2022 में 346 बैंक यूपीआई इंटरफेस पर मौजूद थे, जिसके माध्यम से 6. 58 बिलियन वित्तीय लेनदेन हुए हैं, जिसका कुल मूल्य 10.73 लाख करोड़ रुपये है । यूपीआई के माध्यम से वर्तमान में 40 प्रतिशत से अधिक डिजिटल लेनदेन हो रहे हैं । यूपीआई का लाभ छोटे व्यवसायों और रेहड़ी–पटरी वालों को भी हुआ है, क्योंकि इसके माध्यम से कम राशि के लेनदेन को भी तेजी से और सुरक्षित तरीके से किया जा सकता है । यह प्रवासी श्रमिकों के लिए त्वरित धन हस्तांतरण की सुविधा भी प्रदान करता है । भारत लगभग 40 प्रतिशत रीयल–टाइम डिजिटल भुगतान के साथ दुनिया में सबसे आगे है । वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान भारत में डिजिटल भुगतान में साल–दर–साल 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है । भारत ने 2021 (48.6 बिलियन) में वास्तविक समय के लेनदेन की सबसे बड़ी संख्या को हासिल किया है– यह निकटतम चुनौती देने वाले चीन (2021 में 18 बिलियन लेनदेन) की तुलना में लगभग तीन गुना और दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाएं– अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी (7.5 बिलियन) के संयुक्त वास्तविक समय भुगतान की तुलना में लगभग सात गुना अधिक है । यूपीआई के माध्यम से जुलाई में 6. 28 बिलियन लेन–देन हुए, जिसका कुल मूल्य 10.62 ट्रिलियन रुपये था, जो 2016 में शुरुआत के बाद से सबसे अधिक है । बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का डिजिटल भुगतान बाजार 2026 तक तीन ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 10 ट्रिलियन डॉलर हो जायेगा । डिजिटल भुगतान (गैर–नकद) 2026 तक सभी भुगतानों का लगभग 65 प्रतिशत होगा, यानी 3 में से 2 लेनदेन डिजिटल होंगे ।

राजनीतिक दल रिफार्म पार्टी ने इसका राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की। कुछ साल पहले पगड़ी पर प्रतिबंध लगा दिया था। बाद में सरकार ने इसका राजनीतिक रूप से विरोध होते हुए देखकर प्रतिबंध वापस ले लिया। पिछली जस्टिन ट्रूडो सरकार में हरजीत सिंह सज्जन देश के रक्षा मंत्री थे। ट्रूडो का कहना था कि भारत के मोदी मंत्रिमंडल से दुगने सिख मंत्री मेरी सरकार में शामिल है। हरजीत सिंह...

कनाडा में सिख बोलबाले के कई आयाम

विवेक सक्सेना

पिछली जस्टिन ट्रूडो सरकार में हरजीत सिंह सज्जन देश के रक्षा मंत्री थे। ट्रूडो का कहना था कि भारत के मोदी मंत्रिमंडल से दुगने सिख मंत्री मेरी सरकार में शामिल है। हरजीत सिंह कनाडा के पूर्व सैन्य अधिकारी थे। वहां की अदालतों में सिखों का कृपाण रखने की छूट भी दी जा चुकी है। यदि आप कनाडा में वेंकूवर के सरे इलाके में जाए तो आपको अंग्रेजी में बात करने की जरुरत नहीं होगी। देख कर ऐसा लगता है कि जैसे कि आप दिल्ली के तिलक नगर में आ गए हो। उस इलाके के बाजार में ज्यादातर दुकानदार सिख व पंजाबी हैं। शहर में गुरुद्वारों की संख्या काफी अधिक है।

अब हालत बहुत बदल गए हैं। यदि आप कनाडा में वेंकूवर के सरे इलाके में जाए तो आपको अंग्रेजी में बात करने की जरुरत नहीं होगी। देख कर ऐसा लगता है कि जैसे कि आप दिल्ली के तिलक नगर में आ गए हो। उस इलाके के बाजार में ज्यादातर दुकानदार सिख व पंजाबी हैं। शहर में गुरुद्वारों की संख्या काफी अधिक है। कनाडा की जानी मानी पुलिस श्आरसीएमपीय (रायल कनाडियन माउट्रेड पुलिस) में पहले सिख पुलिसवालों को दाढ़ी रखने पर प्रतिबंध था। बाद में वे दाढ़ी रखने का मुकदमा जीत गए। वहां कई पुराने गुरुद्वारों को राष्ट्रीय महत्व के गुद्वारे का सम्मान दिया गया है। अनेक अवसरों पर नगर कीर्तन का जुलूस निकालने की अनुमति दे दी जाती है। जनसंख्या में सिखों व हिंदुओं का हिस्सा महज पांच फीसदी से कम है पर चुनाव में राजनीतिक दल उन्हें खास महत्व देते हैं। वेंकूवर में तो सिखों ने एक अपना अलग स्कूल तक खोला हुआ है। वहां रेस्तरां, भवन निर्माण, ट्रांसपोर्ट व व्यापार में तो मानो सिखों का लगभग एकाधिकार है। इसके अलावा उन्होंने अपने नाम से बैंक तक खोली हुई है।

जब अपने पिछले कार्यकाल के दौरान वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भारत आए थे तो वे अपने साथ जिन सिख प्रतिनिधियों को लाए थे उनमें एक का नाम भारत द्वारा घोषित आतंकवादी भी था। तब हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी इस हरकत पर नाराजगी जताने के लिए उन्हें ज्यादा महत्व नहीं दिया था व खुद उनकी आवभगत करने के बजाए उन्हें भारत में आने–जाने की जिम्मेदारी अपने राज्य मंत्री को सौंप दी थी। ऐसा करके उन्होंने जस्टिन ट्रूडो से नाराजगी जतायी थी। हालांकि जस्टिन ट्रूडो का दिल्ली की एक गुरुद्वारे में काफी सम्मान किया गया था।

बहुत बुरा संयोग था जो अमेरिका में आतंकवादियों द्वारा किए गए 9ध्11 के विमान हमले के पहले आतंकवादियों द्वारा सबसे पहले विमान को आतंकवाद का निशाना बनाने की घटना कनाडा में ही घटी थी। 23 जून 1985 को कनाडाई आतंकवादियों ने विमान को हाइजेक कर लिया था। इस विमान में रखे बम में अचानक विस्फोट हो जाने के कारण इसमें सवार सभी 392 यात्रियों की मौत हो गई। तब इस कांड के पीछे आतंकवादी संगठन बब्बर खालसा का नाम सामने आया था। दुनिया की सर्वश्रेष्ठ पुलिस में गिनी जाने वाली श्आरसीएमपीय द्वारा दोषियों को पता लगाने के लिए भारत सरकार का अनुरोध नहीं माना था। कुछ महीने पहले ही इस कांड में एक प्रमुख अभियुक्त की वेंकूवर में गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। वह कुछ साल पहले ही जेल से रिहा हुआ था। खालिस्तान सरीखे मुद्दे पर पृथकतावादी आंदोलन चलाने वाली संस्था सिख फार जस्टिस के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू जो कि अमेरिका में रहता है, उसके द्वारा कनाडा में सक्रिय रहने के कारण हमारी सरकार कनाडा सरकार से काफी नाराज रहती है।

कनाडा में 19 वीं शताब्दी के अंत में पंजाबियों व सिखों ने आना शुरु किया था। तब वे लोग कनाडा के उद्योगों में व खेती बाड़ी का काम करते थे। ज्यादातर लोग ब्रिटिश कोलंबिया में बस गए जिस राज्य में वेंकूवर शहर आता है। आज उनके बड़े बड़े शापिंग स्टोर है तथा वे लोग तकनीकी काम जैसे बिजली आदि कामों में माहिर है। शुरु में आने वाले सिख वहां पर रेलवे की पटरी बिछाने का काम करते थे। स्थानीय लोगों की तुलना में कम मजदूरी लेते थे व कुछ पैसा बचा कर अपने घर पर भी भेज देते थे। इस तरह से उनके परिवार के लोग कनाडा आकर बसने लगे। वहां सिख श्बैसाखीय भी बहुत धूमधाम से मनाते हैं। उस दिन न केवल नए वर्ष की शुरुआत होती है। वहां की सरकार ने तो अप्रैल माह को सिख संस्कृति माह घोषित कर रखा है। नस्लवाद व कम मजदूरी लेते रहने के कारण भी वह लोग वहां काम करते रहे आज कनाडा के समाज में उनका विशिष्ट स्थान है। सिखों की जनसंख्या 5 लाख है जो कुल जनसंख्या का मात्र 1.4 प्रतिशत है।

सिख फार जस्टिस ने पंजाब को भारत से अलग करने के मुद्दे पर विदेशों में रह रहे सिखों के बीच कथित जनमत संग्रह भी किया था। कनाडा के गुरुद्वारों में जाने माने आतंकवादियों की फोटो नजर आना आम बात है। इसके प्रमुख गुरुपतवंत सिंह पन्नू पर खालिस्तान के नाम पर आम लोगों से पैसे इकट्ठे करने का आरोप है। न्यूयार्क से चलाए जा रहे इस संगठन श्एसएफजेय को कुछ साल पहले सरकार ने गैर कानूनी करार दे दिया था। इस संगठन के कुछ सदस्यों ने अमेरिका की एक अदालत में 1984 के सिख विरोधी दंगों के लिए कमलनाथ व 14 अन्य कांग्रेसियों को दोषी घोषित करने की याचिका भी दायर की थी। उनकी इस याचिका को अदालत ने ठुकरा दिया था। बताते हैं कि प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान कई सिख सैनिकों ने कनाडा की सेना में हिस्सा लिया था। सरकार ने फिर श्आरसीएमवीय में सिखों को दाढ़ी व साफा पहनने की इजाजत दे दी।

वजह यह थी कि उसके एक अधिकारी बालतेज सिंह सिंधू ने आरसीएमपी में दाढ़ी न रखने व पगड़ी की जगह कैप पहनने के निर्देश को चुनौती दी थी। वह पहले मलेशिया मं रहते थे और 16 साल की उम्र में कनाडा आ गए। उसे दाढ़ी रखने व पगड़ी पहनने के कारण आरसीएमपी में नौकरी नहीं दी गई। 1980 में उसने उसके इस फैसले को चुनौती दी। इसे लेकर पूरे कनाडा में रहने वाले सिखों ने आंदोलन शुरु कर दिया। वहां के लोग इसे अपने देश की परंपरा के खिलाफ मानते थे इसके खिलाफ कनाडा के कुछ लोगों ने हस्ताक्षार अभियान भी शुरु किया।

नवजात में खतरे के लक्षणों से आषाओं को अवगत कराया

जौनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जलालपुर में 17 अक्टूबर से नौ नवम्बर तक आशा कार्यकर्ताओं के तीन बैच का प्रशिक्षण हुआ। इसमें उन्हें माड्यूल 6 और 7 के तहत प्रसव के बाद गृह आधारित नवजात की देखभाल के बारे में जानकारी दी गई। हर बैच में 30–30 आशा कार्यकर्ताओं ने प्रशिक्षण लिया। चिकित्सा अध्ीक्षक डॉ0 आलोक कुमार सिंह ने नवजात शिशु में खतरे के संकेतों को पहचान कर शिशु को सीएचसी रेफर करने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जब शिशु स्तनपान करने में असमर्थ हो, खानपान पर उल्टी कर दे, शरीर में ऐंठन हो, सुस्तध्बेहोश हो तो यह स्थितियां खतरे का संकेत करतीं हैं। ऐसी स्थिति स्थिति में उसे तुरंत सीएचसी रेफर कर देना चाहिए। चिकित्साधिकारी डॉ0 प्रवीन सिंह ने बताया कि नवजात के घर पहुंचने पर आशा कार्यकर्ता की सबसे पहली जिम्मेदारी साबुन और पानी से अपना हाथ धुलने की है। इसके लिए सुमन–के विधि का प्रयोग करना चाहिए। 'सुमन–के' ("ेन्ड ।छ–ज्ञ) फार्मूला का ध्यान रखना सभी के लिए बहुत जरूरी है। इसके हर अक्षर में हाथ धोने के वह गूढ़ रहस्य छिपे हैं जो कि हाथों को वायरस या बैक्टीरिया से मुक्त करने में पूरी तरह कारगर हैं । इसके मुताबिक 'स' का मतलब है कि पहले सीधा हाथ ध्ुलें, 'उ' का मतलब है कि उल्टी तरफ से हाथ धुलें, 'म' का मतलब है कि मुठ्ठियों को अन्दर से धुलें, फिर 'अ' का मतलब है कि अंगूठों को धुलें, 'न' बताता है कि नाखूनों को रगड़–रगड़ कर अच्छे से धुलें क्योंकि नाखूनों में आसानी से मैल जमा हो सकती है और आखिर में 'के' का मतलब है कि उँगलियों के बाद कलाई को भी धुलना बहुत जरूरी है। इस तरह हर आधे घंटे पर कम से कम 40 सेकेण्ड तक हाथ धुलना चाहिए।स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी राकेश कुमार चौबे ने थर्मामीटर से नवजात का तापमान मापने, वजन मशीन के माध्यम से वजन करने, शिशु को कंबल में लपेटने का तरीका बताया। प्रशिक्षकों ने सांस अवरुद्ध हो जाने पर म्यूकस एक्सट्रैक्टर मशीन से बच्चे की नाक और मुंह साफ करने का ढंग बताया। साथ ही दस्त, बुखार आदि से बचाव व मलेरिया जैसे संक्रमण से उनका बचाव करने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने चार्ट के अनुसार बालक–बालिकाओं में कुपोषण के स्तर का पता लगाने के बारे में भी बताया। गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) के संजय कुमार सिंह और दिनेश कुमार सिंह ने भी आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में जलालपुर, नेहरू नगर, केराकत और रामनगर की आशा कार्यकर्ता शामिल हुईं। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ0 नरेन्द्र सिंह ने बताया कि जनपद में 0–1 वर्ष तक के 1,14,160 बच्चे हैं तथा 1,34,899 गर्भवती हैं। 0–5 वर्ष तक 5.50 लाख बच्चे हैं। इनका नियमित टीकाकरण सप्ताह में दो दिन हर ..और शनिवार को होता है।

चुनाव कराने को छात्रों ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

जौनपुर । छात्रसंघ चुनाव को लेकर गुरूवार को सैकड़ों छात्रों ने प्रशासनिक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से छात्रों ने कहा कि उच्च न्यायालय की मंशानुरूप उत्तर प्रदेश के अन्य जनपदों में छात्रसंघ चुनाव को लेकर गतिविधियां आगे बढ़ गई हैं। ऐसे में जौनपुर के समस्त महाविद्यालयों में जहां छात्रसंघ का चुनाव होता आ रहा है, वहां पर चुनाव करवाने के लिए महाविद्यालय के प्राचार्यों को अपने स्तर से अवगत कराया जाय जिससे चुनाव समय से सम्पन्न हो सके। छात्रों ने कहा कि उच्च न्यायालय भी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव समय पर करवाने के लिए कह चुका है। ऐसे में आग्रह है कि छात्रसंघ चुनाव जल्द करवाया जाय। प्रतिनिधिमण्डल में आशीष यादव सचिन यादव देव, सौरभ यादव, मोहित प्रजापति, अभिनव सिंह आदि प्रमुख रहे।

अब अन्तिम तिथि 15 नवम्बर निर्धारित

जौनपुर । जिला समाज कल्याण अधिकारी ने जनपद में संचालित समस्त शिक्षण संस्थाओं को अवगत कराया है कि दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत जारी समय–सारिणी के अनुसार छात्रध्छात्राओं द्वारा आनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि 07 नवम्बर थी. तथा आनलाइन आवेदन पत्रों को शिक्षण संस्थान में जमा करने की अन्तिम तिथि 10 नवम्बर है एवं छात्रध् छात्राओं द्वारा जमा किये गये अध्ादन पत्रों को शिक्षण संस्थाओं द्वारा अग्रसारित करने की अन्तिम तिथि 15 नवम्बर निर्धारित की गयी है। शिक्षण संस्थाओं को निर्देशित किया है कि अनुसूचित जाति एवं सामान्य वर्ग दशमोत्तर छात्रवृत्ति नियमावली में यह स्पष्ट व्यवस्था है कि शिक्षण संस्थान स्तर पर गठित समिति द्वारा पात्र छात्रों का आवेदन अग्रसारित किया जायेगा तथा अपात्र छात्रों का आवेदन समुचित कारण दर्शाते हुए संस्था स्तर पर ही रिजेक्ट कर दिया जायेगा। किसी भी दशा में संस्थान द्वारा किसी भी छात्र का डाटा लम्बित नही रखा जायेगा।

नहीं रहे पत्रकार दीपक गुप्ता

जौनपुर । जनपद के मान्यता प्राप्त पत्रकार दीपक गुप्ता का गुरूवार को निधन हो गया । यह जानकारी होने पर उनके आवास पर तमाम लोगों का तांता लग गया। परिजनों के अनुसार दीपक गुप्ता पिछले कई माह से गम्भीर बीमारी से ग्रसित थे जिनका उपचार मुम्बई में चल रहा था। सब कुछ ठीक था लेकिन गुरूवार की सुबह अचानक उनकी तबियत बिगड़ने लगी । परिजन किसी चिकित्सक के पास ले जा रहे थे कि रास्ते में ही उनका निधन हो गया। लगभग 48 वर्षीया श्री गुप्ता आजमगढ़ से प्रकाशित एक हिन्दी दैनिक समाचार पत्र के जिला संवाददाता थे जो उत्तर प्रदेश शासन से मान्यताप्राप्त पत्रकार भी थे। नगर के सीहीपुरकृमुरादगंज निवासी श्री गुप्ता का अंतिम संस्कार नगर से सटे राम घाट पर हुआ जहां मुखाग्नि उनके पुत्र ने दिया। इस मौके पर तमाम पत्रकारों, राजनीतिज्ञों, समाजसेवियों, अधिवक्ताओं आदि ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दिया।

स्केटिंग चौम्पियनशिप में 9 मेडल प्राप्त किये

जौनपुर । ग्रेटर नोएडा स्थित ग्रेनों स्टेडियम में आठवीं उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय स्केटिंग चौम्पियनशिप में जनपद जौनपुर की कुल 19 खिलाड़ियों ने चौम्पियनशिप में प्रतिभाग किया। स्केटिंग चौम्पियनशिप में जौनपुर की तरफ से खिलाड़ियों ने खेलते हुए अलग–अलग कटेगरियों में कुल 9 मेडल प्राप्त किये। पाँच गोल्ड मेडल, तीन सिल्वर एवं 1 ब्रॉन्च पदक पाकर जनपद जौनपुर नाम रौशन किया। 5 से 7 साल की कैटेगरी में आन्जनेय (तेजस) यादव 200 मीटर की रेस में गोल्ड मेडल तथा 600 मीटर की रेस में गोल्ड मेडल मेडल प्राप्त किया। आरव यादव 11 से 14 साल की कैटेगरी में 2 गोल्ड मेडल प्राप्त किया। 5 से 7 साल की कैटेगरी में सौर्य कुमार पाल ने एक बॉन्ज मेडल हासिल किया। सभी खिलाड़ियों ने अपने अलग–अलग वर्ग में फाइनल तक खेला। 7 से 9 साल की कैटेगरी में प्रत्यक्ष विराट विक्रम फाइनल तक खेले। 7 से 9 बालिका वर्ग में रिद्धिमा यादव ने फाइनल तक खेला। 9 से 11 साल की बालिका वर्ग में अनवेशा सोनकर व अनन्या राय ने फाइनल तक खेला तथा बालिका वर्ग में प्रियांश अग्रहरी ने गोल्ड मेडल के साथ अपना प्रथम स्थान बनाया। विराट सिंह, आरूष जायसवाल ने फाइनल राउंड तक खेला। अनवी सोनकर ने 5 से 7 में इनलाइन खेलते हुए फाइनल राउंड तक खेला। स्केटिंग एसोसिएशन जौनपुर स्केटिंग के कोच विजय के.पी. एल. डी स्पोर्ट्स एकेडमी के सेक्रेटरी प्रेसिडेन्ट व सभी पदाध्िकारियो ने खिलाड़ियों को बध्ाईयाँ दी। एकेडमी की प्रेसिडेन्ट नील यादव, सेक्रेटरी विजय राज यादव, रविकान्त जायसवाल पीके प्रजापति, शैलेश सोनकर, दीपू सिंह, रमेश कुमार यादव, शैलेश यादव और उनके सहयोगी उपस्थित थें।

पुलिस यार्ड की जमीन पर चल रहे ट्रेक्टर,रोटावेटर को पुलिस ने लिया कब्जे में

दैनिक बुद्ध का संदेश

मसौली/बाराबंकी। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बड़गांव में स्टेडियम के निकट पुलिस यार्ड बनाने के लिए शाशन द्वारा करीब

पैंतालिस् बीघे जमीन प्रस्तावित की गयी। जिस पर शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे पुलिस यार्ड की प्रस्तावित भूमि पर ट्रक्टर और रोटावेटर के जरिए जुताई का कार्य किया जा रहा था तथा उसी भूमि पर एक पंपिंग सेट भी रखा था।इसी दौरान दल बल के साथ पहुंचे थाना मसौली प्रभारी निरीक्षक शिव नारायण सिंह ने ट्रैक्टर और रोटावेटर सहित पंपिंग सेट को कब्जे में लेते हुए थाने पर पर भिजवाया।वहीं इस संबंध में जानकारी करने पर थाना प्रभारी शिव नारायण सिंह ने बताया की पुलिस यार्ड की भूमि पर एक ट्रैक्टर रोटावेटर और पंपिंग सेट देखा गया था जिसे कब्जे में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत व महिला गंभीर रूप से घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। तहसील सिरौलीगौसपुर में एक बड़ा सड़क हादसा होने से एक व्यक्ति की मौके पर मौत हो गई।महमूदाबाद से सिरौली जाने वाले मार्ग पर डूंडी के निकट भंगी बाबा मजार के पास एक डंपर ने रोड के किनारे लगे शीशम के पेड़ से डंपर न्च्78ध्

च्ज1839 का ऊपरी हिस्सा लटके पेड़ से टकरा जाने पर पेड़ का ऊपरी हिस्सा कट गया उसी समय डंपर के पीछे से आ रहे मोटरसाइकिल सवार उमेश कुमार पुत्र रामनारायन ग्राम गोपालपुर खजूरी तहसील सिरौलीगौसपुर अपने निजी कार्य से सिरौली जा रहा था!कि अचानक डंपर शीशम के पेड़ से टकरा जाने पर टूट गया और पीछे से आ रहे मोटरसाइकिल न्च् 41ध्ट 8193 पर एक महिला सहित के ऊपर जा गिरी जिससे उमेश कुमार पुत्र राम नारायन की मौके पर ही मौत हो गई और गाड़ी पर बैठी महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस नें घायल महिला को नजदीकी सीएचसी पर इलाज के लिए भर्ती कराया सूत्रों की माने तो यह कहना भी संभव है की वन विभाग यदि काफी समय से लगा यह पेड़ रोड पर लटक रहा था तो वन विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों को इसे कटवा देना चाहिए था। जिससे वाहन आने जाने में कोई परेशानी ना होती लेकिन आज जब हादसा हो गया तो वन दरोगा अपने कर्मचारियों सहित उस पेड़ को काटने पहुंच गए! इस मौत की घटना में वन विभाग के कर्मचारी व अधिकारी कहीं ना कहीं जिम्मेदार हैं। आज उसका अंजाम आम जनमानस को झेलना पड़ा। इस घटना को सफदरगंज पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए शव को कब्जे में लेकर ग्रामीणों की मौजूदगी में पंचनामा कर मृतक को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस अग्रिम कार्रवाई करेगी।

समाचार पत्र विक्रेता संघ की बैठक 13 को

जौनपुर । समाचार पत्र विक्रेता संघ की मासिक बैठक नगर के मीरपुर धरनीधरपुर में स्थित भवन में होगी जिसकी अध्यक्षता राम प्यारे प्रजापति करेंगे। उक्त बैठक 13 नवम्बर दिन रविवार की सायं 4 बजे से होगी। इस आशय की जानकारी कोषाध्यक्ष मंगरू राम मौर्य ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है। साथ ही उन्होंने बताया कि उक्त मासिक बैठक में आगामी 25 दिसम्बर को होने वाले वार्षिक समारोह को लेकर सुनिश्चित की गयी है जिसमें समस्त पत्र विक्रेताओं की उपस्थिति अनिवार्य है।

भाजपा नेत्री कीर्ति सिंह ने शहर चेयरमैन पद हेतु ठोंका अपना दावा

हरदोई।नगर निकाय चुनाव नजदीक आते ही दावेदारों ने भी अपने तरीके से तैयारियां शुरू कर दी हैं।इसी क्रम में आज एक पत्रकार परिचय कार्यक्रम के तहत समाजसेवी व भाजपा नेत्री कीर्ति सिंह ने अपने विद्यालय बाल विद्या भवन परिसर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की मैंने उस दौरान सेवा की है। जब जिले में भाजपा का संगठन न के बराबर होता था।और तब से लगातार पार्टी की नीतियों को व सार्वजनिक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का कार्य अनवरत जारी है। पार्टी जब जैसे आदेश करती रही हैं।मैंने पार्टी की सेवा की है। और इस बार निकाय चुनाव में अपने कार्यों के बल पर पार्टी से नगर पालिका परिषद हरदोई के चेयरमैन पद के प्रत्याशी के लिए पार्टी फोरम पर आवेदन करेंगे और अगर पार्टी ने मौका दिया तो शहर को एक सुंदर स्वच्छ और विकसित नगरपालिका के रूप में तैयार करने का काम करेंगे। परिचय कार्यक्रम के दौरान ही विभिन्न अखबारों और न्यूज चौनलों के प्रतिनिधियों से जहां भाजपा नेत्री ने लोगों के सुझाव मांगे हैं वही बाल विद्या भवन परिसर में किए गए विभिन्न ने सांस्कृतिक प्रोग्राम मैं मीडिया के द्वारा लगातार सहयोग करने पर धन्यवाद ज्ञापित किया

नागरिकों के सशक्तीकरण पर हुआ विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

हरदोई। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली व उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के तत्वाध्ाान में तथा जिला जजध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई राज कुमार सिंह के दिशा–निर्देशन में तहसील सदर के ग्राम परसनी वि0ख0 टड़ियावां के जूनियर हाई स्कूल में नागरिको के विधिक साक्षारता हेतु चलाये जा रहे दो सप्ताह के जनसशक्तिकरण महाभियान के अन्तर्गत आउटरीच कैम्प का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता सचिवध्न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदोई सत्येन्द्र सिंह वर्मा की गई।शिविर में उन्होने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलायी जा रहीं विभिन्न लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा शिविर में उपस्थित जन–मानस को कई प्रकार की विध्िक जानकारियां देते हुए उनके विधिक रूप से सशक्तिकृत होने पर बल दिया गया, गरीब बुजुर्गो तथा अन्य जरूरतमंद लोगो को दिये जाने वाली निःशुल्क विधिक सेवा के बारे में भी बताया गया। सचिवध्न्यायाधीश द्वारा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए उपस्थित जन–मानस को सुलह–समझौता के आधार पर अधिक से तहसीलदार सदर प्रतीत त्रिपाठी द्वारा राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही हैं।

कार्यालय अधिशासी अभियंता

निमार्ण खण्ड–1,लो0नि0वि0,सिद्धार्थ नगर

पत्रांक–1285/01 ए /22 **दिनांक–07.11.2022**

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना
ई–निविदा सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, महोदय उत्तर प्रदेश की ओर से अधिशासी अभियंता,निर्माण खण्ड–लो0नि0वि0, सिद्धार्थ नगर द्वारा उत्तर प्रदेश, लोक निर्माण विभाग में मार्ग कार्य हेतु ''ए''बी,सी,डी श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ई–टेंण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गए कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है–

क्र0 स0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर राशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षाऋतु सहित)
1-	2-	3	4	5	6	7
		वित्तीय वर्ष 2022–23 में सामान्य अनुरक्षण मद के अन्तर्गत विशेष मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य				
1.	सिद्धार्थ नगर	गुलहरी ढाल से समरहवा होते हुए बसन्तपुर सम्पर्क मार्ग।	10.25	1.03	निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्जज +जी0एस0टी0 = 856.00	03 माह
2.	सिद्धार्थ नगर	एफ0एन0बी0एस0 से औरहवा सम्पर्क मार्ग।	13.00	1.30	निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्जज +जी0एस0टी0 = 856.00	03 माह
3.	सिद्धार्थ नगर	मन्नीजोत से भगवानपुर मेहनुआ सम्पर्क मार्ग।	10.50	1.05	निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्जज +जी0एस0टी0 = 856.00	03 माह
4.	सिद्धार्थ नगर	शाहपुर सिंगारजोत मार्ग से तरहर सम्पर्क मार्ग।	10.50	1.05	निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्जज +जी0एस0टी0 = 856.00	03 माह
5.	सिद्धार्थ नगर	जैतापुर पचपेड़वा मार्ग से कोहल सम्पर्क मार्ग।	10.50	1.05	निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्जज +जी0एस0टी0 = 856.00	03 माह
6.	सिद्धार्थ नगर	फूलपुर राजा से अस्थाई बाजार तक सम्पर्क मार्ग।	2.50	0.25	निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्जज +जी0एस0टी0 = 856.00	03 माह
7.	सिद्धार्थ नगर	हरीजोत मुड़िलिया सम्पर्क मार्ग।	6.50	0.65	निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्जज +जी0एस0टी0 = 856.00	03 माह
8.	सिद्धार्थ नगर	सेमरी बिस्कोहर मार्ग से पटना खास सम्पर्क मार्ग।	5.80	0.58	निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्जज +जी0एस0टी0 = 856.00	03 माह
9.	सिद्धार्थ नगर	बांसी इटवा शनिचरा सम्पर्क मार्ग।	10.50	1.05	निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्जज +जी0एस0टी0 = 856.00	

बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 14.11.2022 से दिनांक 21.11.2022 तक उपलब्ध रहेगी। जो दिनांक 21.11.2022 को समय दोपहर 12.00 बजे तक अपलोड किए जा सकते हैं इसकी तकनीकी बिड दिनांक 21.11.2022 को 3.00 बजे खोली जाएगी। अपलोड करने की अन्तिम तिथी 21.11.2022 को 12.00 बजे तक शुद्धि पत्र यदि कोई हो तो उसे वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायेगा। निविदाओं की तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है जिसकी विस्तृत जानकारी भी डॉक्यूमेंट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है निविदा से संबंधित अधिक जानकारी ई टेंडर वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर पर उपलब्ध है।

www.upgov.nic.in
upid-r.o.181468
date : 10-11-2022

(संजय कुमार श्रीवास्तव)
अधिशासी अभियंता
निर्माण खण्ड–01 लो0नि0वि0
सिद्धार्थनगर

गांव वालों ने नवनिर्मित चहारदीवारी गिराई

रुद्रपुर। एकौना थाना के सरांव बुजुर्ग गांव में रास्ते के विवाद को लेकर दो दिन से तनाव बना है। आरोप है कि गांव का एक परिवार चहारदीवारी चलाकर गांव के लोगों का रास्ता रोक रहा है। रात गांव वालों ने आम रास्ते पर बनी नवनिर्मित चहारदीवारी गिरा दी। उन्होंने एसडीएम को पत्रक देकर रास्ता अवरुद्ध कर रहे शख्स के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एसडीएम के निर्देश पर एकौना पुलिस ने निर्माण कार्य रोक दिया है। गांव में शांति बनाने के लिए पुलिस तैनात की गई है। गांव के हीरालाल, संगम प्रसाद, जितेंद्र निगम, उमाशंकर, गिरीश दत्त शुक्ल, शक्तिनंदन शुक्ल, अनिल शुक्ल, त्रयंवकेश्वर, नीतेश शुक्ल, राजश्री देवी आदि ने एसडीएम को प्रार्थनापत्र देकर बताया कि सरांव बुजुर्ग गांव डीह की जमीन पर आबाद है। यहां गांव में जाने वाले प्रमुख मार्ग पर ईंट की चहारदीवारी बनाकर आम रास्ता अवरुद्ध किया जा रहा है। इस मार्ग से होकर पूरा गांव पुस्त दर पुस्त से आता–जाता है। रास्ते पर चहारदीवारी बना देने से गांव के 200 लोग अपने घरों में कैद हो जाएंगे। रास्ते को लेकर गांव में तनाव बना है। उन्होंने तत्काल रास्ता खाली कराकर मार्ग अवरुद्ध करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एसडीएम ध्रुव शुक्ला ने एकौना थानाध्यक्ष को मामले की जांच कर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। इस बाबत थानाध्यक्ष बीबी राजभर ने कहा कि निर्माण कार्य रोक दिया गया है। रात में अज्ञात लोगों ने नव निर्मित चहारदीवारी गिरा दी। गांव में शांति व्यवस्था कायम करने के लिए पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। शांति व्यवस्था भंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रोजगार सेवक समेत चार पर केस दर्ज

परतावल। श्यामदेउरवां थाना क्षेत्र के ब्लॉक कार्यालय परतावल में ग्राम प्रधान और रोजगार सेवक के बीच हुए ारपीट के मामले ने तूल पकड़ लिया है। .ग्राम प्रधान ने रोजगार सेवक पर रकम मांगने एवं मना करने पर मारने पीटने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी। प्रधान की तहरीर पर पुलिस ने रोजगार सेवक समेत चार लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। परतावल ब्लॉक के लक्ष्मीपुर जरलहिया के ग्राम प्रधान श्याम पांडेय ने बताया कि बीते 21 अक्तूबर को एक शिकायत की जांच करने एडीओ कोआपरेटिव ग्राम सभा में आए थे। जांच करने के बाद उन्होंने मुझे ब्लॉक कार्यालय पर बुलाया। मैं वहां पहुंचा, तो पहले से मौजूद रोजगार सेवक ने रकम की मांग की। मना करने पर रोजगार सेवक व उसके भाईयों ने मिलकर मारापीटा। थानाध्यक्ष रामाज्ञा सिंह ने बताया कि ग्राम प्रधान की तहरीर पर रोजगार सेवक शिब्बन लाल यादव, शिवेंदर यादव, रोहित यादव, हीरा यादव के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

मछुआरे की तालाब में डूबने से मौत

महराजगंज। कोतवाली थाना क्षेत्र के जद्दूपिपरा में तालाब साफ कर रहे मछुआरे की तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना में मृत मछुआरे की पहचान श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के पिपरपाती गाव के रामजी (45) के रुप में हुई। जानकारी के अनुसार .कोतवाली थाना क्षेत्र के जद्दुपिपरा गांव में तालाब की सफाई करने गए श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के पिपरपाती निवासी रामजी की तालाब में डूबने से मौत हो गई। कोतवाल रवि कुमार राय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

दुष्कर्म के मामलों में दस–दस वर्ष का सश्रम कारावास

महराजगंज। चौक थाना क्षेत्र के एक गांव में वर्ष 2013 में कक्षा आठ की छात्रा से उसके विद्यालय के शिक्षक द्वारा दुष्कर्म किया गया था। इसमें गांव की महिला ने मदद की थी। मामले में आरोपी अध्यापक को दोषी पाए जाने पर विशेष न्यायाधीश विनय कुमार सिंह ने उसे दस वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 30,000 रुपये का अर्थदंड लगाया है। विशेष लोक अभियोजक विजय नारायण सिंह ने दस गवाह व दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत कर सजा की मांग की। न्यायालय ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर सजा सुनाई। इसी क्रम में वर्ष 2014 में श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र में एक गांव में दुष्कर्म के मामले के अभियुक्त को दस साल का सश्रम कारावास से दंडित किया गया है। विशेष लोक अभियोजक विनोद सिंह ने दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत कर सजा की मांग की। न्यायालय ने पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर अभियुक्त को सजा सुनाई।

कोटे की दो दुकानें निलंबित

नौतनवां। क्षेत्र के दो गांवों में राशन वितरण में अनियमितता के आरोप में दो सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानें निलंबित की गईं। एक कोटेदार के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत पूर्ति निरीक्षक नौतनवां ने मुकदमा दर्ज कराया है। पूर्ति निरीक्षक नौतनवां अतिंद्र कुमार ने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत पर लक्ष्मीपुर ब्लॉक के बरगदवा उर्फ मधुबनी में सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान की जांच की गई। निलंबित कर कोटेदार रामचंदर के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत पुरंदरपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। इसी क्रम में मठिया ईदू गांव में ग्रामीणों की शिकायत पर जांच की गई। कोदेदार द्वारा राशन वितरण में अनियमितता मिली। जिसके कारण सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान निलंबित कर दी गई।

पंजीकरण में शिथिलता, रुक सकता है शिक्षकों का वेतन

महराजगंज। फिट इंडिया प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण कराने में जिले के माध्यमिक विद्यालयों की ओर से रुचि नहीं दिखाई जा रही है। 15 नवंबर को पंजीकरण की अंतिम तिथि है। ऐसे में यदि राजकीय व अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों के प्रधानाचार्यों की ओर से रुचि नहीं दिखाई गई तो उनका वेतन रुक सकता है। वहीं स्ववित्त पोषित मान्यता प्राप्त विद्यालयों के मान्यता समाप्ति की कार्रवाई की जाएगी। माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के बीच फिटनेश का डोज, आधा घंटा रोज विषयक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है। इसमें हिस्सा लेने के लिए सभी प्रधानाचार्यों को 20–20 विद्यार्थियों के पंजीकरण के निर्देश दिए गए थे। जिले में संचालित सभी 244 माध्यमिक विद्यालय यदि इसमें रुचि दिखाई होती तो जिले से 4880 विद्यार्थियों का पंजीकरण हो जाता, मगर अभी तक महज 110 विद्यार्थियों का ही पंजीकरण हो सका है। पंजीकरण की धीमी रफ्तार को देख विभाग ने सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को कम से कम 20–20 बच्चों के पंजीकरण कराने का निर्देश दिया है। यह भी कहा है कि यदि इसमें फिर भी रुचि नहीं दिखी तो संबंधित प्रधानाचार्यों का वेतन रोका जाएगा।

विपक्ष को कमजोर करने के लिए अभियान चला रही सरकार : राकेश टिकैत

भाकियू की ओर से सोनूघाट चौराहे पर आयोजित हुई मंडलीय किसान, मजदूर, नौजवान महापंचायत

सोनूघाट/देवरिया। भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि जब विपक्ष कमजोर होता है तो सरकारें बेलगाम हो जाती हैं। पूर्व की सरकारों में मानवता व मूल्य होते थे, लेकिन वर्तमान में ऐसा नहीं दिख रहा है। देश में कृषि हितों के नाम पर लाए गए काले कानून को शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन चलाकर 13 महीने में समाप्त किया गया। वर्तमान सरकार विपक्ष को तोड़ने का कार्य सोची–समझी रणनीति के तहत अभियान चलाकर कर रही है।

वह सोनूघाट चौराहे के निकट भाकियू की ओर से आयोजित मंडलीय किसान, मजदूर, नौजवान महापंचायत को संबोधित कर रहे थे। आगे कहा कि विपक्ष को तोड़कर सरकार पूरे देश में अपना ताना–बाना दिखाकर दहशत फैला रही है। जो इसका विरोध करेगा, उसकी जांच ईडी से कराकर जेलों में बंद कराया जा रहा है। कोई दल या नेता सरकार के खिलाफ आवाज न उठा सके, इसके लिए सारे हथकंडे अपनाए जा रहे हैं।

कहा कि 13 महीने के आंदोलन को दबाने के लिए फर्जी मुकदमे की धमकी देकर तोड़ने की साजिश रची गई। 11 हजार किसानों के फर्जी नामों व नंबर लेकर 200 करोड़ का घोटाला कराया गया। किसानों के ध्ाान, गेहूं का अपहरण किसी कीमत पर नहीं होने दिया जाएगा। सरकार किसानों के पराली पर भी राजनीति कर रही है। सरसों का बीटी सीड जो सभी के लिए हानिकारक है, उसको धड़ल्ले से बाजार में लांच किया जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि हमें अपने आंदोलन को अब और तेज करने जरूरत है। सरकार इन काले कानून की आड़ में देश को लूटने का षड्यंत्र कर रही है। उन्होंने मंच से कार्यकर्ताओं को आगाह करते हुए कहा कि नशे की प्रवृति व अपने खर्चे को कम कर देश की सभी पंचायतों में घर–घर जाकर संगठन को मजबूत करना होगा। जिले में बंद पड़ीं चीनी मिलों को चलाने के लिए 26 नवंबर को लखनऊ में शक्ति प्रदर्शन होगा।

कार्यक्रम को राष्ट्रीय महासचिव राजवीर सिंह जादौन, युवा प्रदेश अध्यक्ष अनूप चौधरी, अनुज सिंह, जिलाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप शाही, कृष्णा जायसवाल, विनय सिंह, विनोद गुप्त, राणा प्रताप सिंह, प्रेम शंकर पांडेय, धनंजय सिंह आदि ने भी संबोधित किया। इसके पूर्व चौराहे पर स्थित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। अध्यक्षता रामनयन यादव व संचालन विनोद गुप्ता ने किया। मौके पर बरहज के पूर्व विधायक स्वामीनाथ यादव ने जिले में आई बाढ़ से किसानों को हुए नुकसान का मुआवजा अविलंब दिलाने के लिए टिकैत को पत्रक दिया। एसडीएम सदर को सौंपा गया मांगों का ज्ञापनः गन्ने के भुगतान, बाढ़ से प्रभावित किसानों को मुआवजा सहित अन्य 11 सूत्री मांगों का ज्ञापन सभा के बाद राकेश टिकैत ने एसडीएम सदर सौरभ कुमार सिंह को सौंपा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भाकियू कार्यकर्ता व पुलिस मौजूद रही।

गोद में ट्रेजरी कार्यालय पहुंची वृद्धा, बोली–जिंदा हूं

ट्रेजरी ऑफिस पर नवंबर माह में पेंशनधारकों को देना होता है जिंदा होने का प्रमाणपत्र

देवरिया। ऑनलाइन व्यवस्था ध्ााड़ाम होने के कारण पेंशनधारकों को खुद को जिंदा साबित करने के लिए दूसरे के कंधों और गोद का सहारा लेकर ट्रेजरी ऑफिस पहुंचना पड़ रहा है। इतना ही नहीं ई–केवाईसी के चक्कर में बुजुर्गों को घंटों इंतजार भी करना पड़ रहा है। हर रोज करीब 80 से सौ की संख्या में बुजुर्ग दूर–दराज क्षेत्रों से आ रहे हैं। इनके लिए न तो बैठने का इंतजाम है और न ही कोई मददगार।

जिले के करीब 21 हजार पेंशनधारकों के लिए नवंबर माह खुद को जिंदा साबित करने वाला माह बन कर रह गया है। इसमें से करीब छह ऐसे पेंशनधारक हैं, जो सौ की उम्र पार कर चुके हैं और डबल पेंशन का फायदा उठा रहे हैं। जबकि एक हजार के करीब 80 की उम्र पार करने वाले पेंशनधारक हैं, जो बीस प्रतिशत सामान्य पेंशन से अधिक पाते हैं।

इन सभी के लिए ई–केवाईसी, आधार से खाते का लिंक और जिंदा होने का प्रमाणपत्र देना होता है। इसके लिए ऑनलाइन व्यवस्था भी है लेकिन सर्वर काम न करने के कारण अधिकतर पेंशनधाराकों को जिला मुख्यालय के कोषागार पर आना होता है। इन दिनों ट्रेजरी ऑफिस पर भीड़ लग रही है। बुजुर्ग दूसरों के कंधे के सहारे ऑफिस पहुंच कर घंटों इंतजार कर रहे हैं। इतना नहीं, कोई बीमार है तो कोई खुद चल नहीं पा रहा है। ऑफिस आईं रमावाती ने बताया कि बिना खाए आई हूं। घंटों इंतजार करने के बाद काम हुआ है।

सुभावती ने बताया कि घर के लोगों को पता ही नहीं है कि ऑनलाइन भी जमा प्रमाणपत्र जमा होता है। विश्वनाथ ने बताया कि ऑनलाइन अपलोड न होने के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उत्तर प्रदेश पेंशनर्स कल्याण संस्था के मंत्री लालसा यादव ने बताया कि ऑनलाइन काम न होने की वजह से दिक्कत आ रही है। अगर यह ठीक हो जाए तो काफी राहत मिलेगी।

पेंशन का वर्गीकरणः 80 साल उम्र पर 20 प्रतिशत बढ़ जाती है। 85 साल की उम्र पर 30 प्रतिशत बढ़ती है। 90 साल की उम्र में 40 प्रतिशत बढ़ोत्तरी। 95 साल की उम्र में 50 प्रतिशत बढ़ती है 100 साल की उम्र 100 प्रतिशत ठीक डबल होता है।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ के आदर्श व्यवहार के लिये अभिमुखीकरण सत्र का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सीएमओ ऑफिस सिद्धार्थनगर के अचल प्रशिक्षण केंद्र में सीडीओ जयेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में यूनिसेफ की सहयोग से सभी बीसीपीएम, बीपीएम एवं एचईओ के लिए नियमित टीकाकरण एवम ग्रामीण स्वास्थ्य एवम पोषण दिवस के लिए एक दिवसीए तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ के आदर्श व्यवहार को प्रोत्साहन देने के लिए संचार रणनीति के लिए अभिमुखीकरण सत्र का आयोजन किया गया, जिसमे सीएमओ सर द्वारा ग्रामीण स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस सत्र पर उपयोग होने वाली सामग्री के विषय में जानकारी दी एवं 19 नवम्बर से शुरू हो रहे विशेष टीकाकरण कार्यक्रम के विषय मे तेयारी करने और सर्वे अपडेट करने के विषय मे बताया गया, बस्ती से रीजनल को ऑर्डिनेटर यूनिसेफ मनोज कुमार श्रीवास्तव द्वारा बताया गया मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के आदर्श व्यवहार को प्रोत्साहन किस प्रकार की संचार रणनीति को अपनाया जाएडीएमसी अमित शर्मा द्वारा टीकाकरण के प्रति उदासीन परिवारों के किस प्रकार के सवाल टीकाकरण को लेकर स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से किए जाते हैं और किस प्रकार उनके सवालों के जवाब देकर परिवारों को टीकाकरण के लिए लामबंद किया जा सकता है, एवम किस प्रकार सामुदायिक मीटिंग के माध्यम से परिवारो को लामबंद किया जा सकता है समझाया गया एवं रिपोर्टिंग प्रपत्र पर चर्चा की गई, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी द्वारा सहयोगतम प्रवेक्षण को समझते हुये मीटिंग का समापन किया गया इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर डीके चौधरी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ एके आजाद, जिला मलेरिया अधिकारी सुनील चौधरी, डीएमसी अमित शर्मा, सतीश पटेल, महामारी रोग विशेषज्ञ समीर सिंह, डीपीएम राजेश शर्मा, डीसीपीएम मान बहादुर एवम सभी 14 ब्लॉक से बीसीपीएम बीपीएम एवं एचईओ उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाई मौलाना अबुल कलाम की जयन्ती

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोलाबाजार/गोरखपुर। गोला ब्लाक अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय मदरहा पर भारत देश के प्रथम शिक्षा मंत्री ष्भारत रत्न ष्मौलाना अबुल कलाम आजाद जी की जयन्ती बड़े ही हर्षोल्लास पूर्वक उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर मनायी गयी।

कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमित कुमार गुप्ता द्वारा मौलाना अबुल कलाम आजाद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया तत्पश्चात बाल संसद के पदाधिकारियों द्वारा भी उन्हें पुष्पांजलि अर्पित किया गया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक ने बताया कि भारत में शिक्षा की नींव स्थापित करने में उनके योगदान के लिए इनके जन्मदिवस को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाकर इन्हें पहचाना जाता है ये भारत के पहले शिक्षामंत्री थे जिन्होंने राष्ट्र की शिक्षा नीति का मार्गदर्शन किया इन्हें भारतीय प्रौद्योगिक संस्थान अर्थात आई०आई०टी० और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्थापना का श्रेय जाता है।इन्होंने शिक्षा के साथ–साथ भारतीय संस्कृति को भी विकसित करने के उद्देश्य से संगीत नाटक अकादमी, साहित्य अकादमी, ललित कला अकादमी,की स्थापना की और केन्द्रीय सलाहकार शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष होने पर 14 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा, बालिका शिक्षा,व्यवसायिक शिक्षा, कृषि शिक्षा और तकनीकि शिक्षा जैसे सधारों की वकालत की ।ये 1923 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सबसे कम उम्र के अध्यक्ष बने थे और इन्होंने भारत के अतीत और वर्तमान के बीच सेतु का कार्य किया था तथा जीवन के प्रति इनका दृष्टिकोण आधुनिक ही था यद्यपि जिस तरह इन्होनें अपने जीवन में संघर्ष करके देश के सबसे पहले शिक्षा मंत्री बनकर भारत देश का मान सम्मान बढ़ाया था वह अत्यन्त ही अनुकरणीय व प्रेरणास्रोत है हमें इनके संघर्षमयी जीवन से ही सीख लेकर अपने जीवन को ऐसे ही जीना चाहिए। इस अवसर पर सहायक अध्यापिका शिखा प्रजापति सहित रसोईया सुमित्रा, मालती, संगीता देवी आदि लोग उपस्थित रही।

एटीएम में चोरी की कोशिश करने वाले मुलजिम को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने धर दबोचा

गोरखपुर। तस्वीरों में दिख रहा है यह शख्स 4 व 5 नवंबर की मध्य रात्रि में गोरखपुर के शाहपुर थाना क्षेत्र के एक एचडीएफसी बैंक के एटीएम में एटीएम मशीन को तोड़कर चोरी करने की कोशिश में लगा हुआ है लेकिन टेक्नोलॉजी की जानकारी न होने के नाते यह फस गया। हुआ यूं कि भाई साहब ने जैसे ही चोरी करने के लिए अपना हाथ पांव चलाना शुरू किए और एटीएम मशीन के हाई सिक्योरिटी पार्ट्स को जैसे ही तोड़ा वैसे मुंबई स्थित एचडीएफसी बैंक के हेड क्वार्टर पर खतरे की घंटी बज गई।फिर क्या था आनन–फानन में एचडीएफसी बैंक मुंबई हेड क्वार्टर ने इसकी सूचना शाहपुर थानेदार के मोबाइल नंबर पर दी। एटीएम से चोरी की खबर मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई और बताए गए एटीएम पर पहुंची तब तक चोर वहां से फरार हो चुका था। पुलिस की मुस्तैदी से एटीएम में चोरी की बड़ी वारदात होने से टल गई। एचडीएफसी बैंक एटीएम में चोरी की कोशिश करने वाले नौजवान का वीडियो और तस्वीर पुलिस को मुहैया कराई।पुलिस ने मुखबिरों का जाल बिछाया और आज एटीएम में चोरी करने वाला विकास प्रताप सिंह पुलिस के शिकंजे में आ गया। पुलिस के शिकंजे में आते ही भाई साहब अब माफी मांग रहे हैं और कह रहे हैं कि अब ऐसी गलती दोबारा नहीं करूंगा।

भ्रष्टाचार के खिलाफ हूँ, भाजपा के नहीः कृष्णपाल चौधरी

कतिथ भ्रष्टाचार को लेकर धरने पर बैठे बोर्ड सभासदों के समर्थन में आये भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री कृष्णपाल चौधरी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। बुद्धवार की सुबह करीब 11 बजे से धरने पर बैठे नगर पंचायत के 9 सभासद के पक्ष में पहले ही शासन द्वारा नामित सभासदों समेत आरएसएस के पूर्व पदाधिकारी सहित अनुसांगिग संगठन के पदाधिकारी सामने आए थे और अब भाजपा के दधीचि कहे जाने वाले भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री कृष्णपाल चौधरी भी कतिथ भ्रष्टाचार के खिलाफ धरने पर बैठे सभासदों के समर्थन में आ गए है। करीब 7 मिनट के संबोधन में उन्होंने

शौचालय, विवाह भवन, प्रधानमंत्री आवास आदि के निर्माण कार्य पर सवाल उठाये। कुल मिलाकर उन्होंने यह कहा कि वे कतिथ भ्रष्टाचार के खिलाफ है, योगी मोदी और भाजपा सरकार के खिलाफ नही है। कतिथ भ्रष्टाचार के खिलाफ धरने पर बैठे सभासदों द्वारा जब तालाबन्दी की बात सामने आई तो पुलिस प्रशासन के हाथ–पांव फूल गए। अनान– फानन में धरना स्थल पर पहुंची शोहरतगढ़ पुलिस के अनुरोध पर ताला खुलवाया गया। सभासदों द्वारा दस्तावेजों के सन्दर्भ के उपजिलाधिकारी से शिकायत भी की है। सभासदों ने अधिशाषी अधिकारी को तत्काल प्रभाव से हटाने सहित 4 मांगों पर तत्काल कार्यवाही करने की बात कही है। विदित हो धरने के दूसरे दिन करीब 32 घण्टे बाद सभासदों से मिलने आये उपजिलाधिकारी उत्कर्ष श्रीवास्तव, शोहरतगढ़ सीओ सहित तहसीलदार राजेश प्रताप सिंह ने सभासदों की मांगों का संज्ञान लेकर कार्यवाही करने का भरोसा दिया है। इस दौरान सभासद मनोज कुमार गुप्ता, सभासद संजीव जायसवाल, सभासद प्रतिनिधि बाबू जी अंसारी, सभासद प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, सभासद नियाज अहमद, सभासद प्रतिनिधि अफसर अंसारी, सभासद प्रतिनिधि अवधेश कुमार आर्या, सभासद डॉ राज कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

सीटिया श्रम संगठन का बैठक शुरू, चलाएगा एकल सदस्यता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सीटिया श्रम संगठन को सीटू से संबद्धता मिलने के उपरांत खड़िया के अंबेडकर भवन से शुरू हुआ सीटिया का बैठकों का दौर एनसीएल सहित पूरे कोल इंडिया में संगठन चलाएगा एकल सदस्यता अभियान। कोल इंडिया आईटीआई एम्पलाइज एसोसिएशन द्वारा पूर्व निर्धारित समयानुसार एनसीएल के खड़िया परियोजना स्थित अंबेडकर भवन में एक आवश्यक बैठक बीते बृहस्पतिवार को आयोजित की गई जिसका मुख्य उद्देश्य एनसीएल सहित पूरे कोल इंडिया में कार्यरत सभी वर्गों के कर्मचारियों को एक सूत्र में बांधते हुए सीटिया की एकल सदस्यता दिलाने हेतु रणनीति के तहत अभियान की शुरुआत करना था। इस बैठक में मुख्य रूप से सीटिया के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अजय शंकर राष्ट्रीय महामंत्री बी के पटेल राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह, एनसीएल जोन के संरक्षक आर टी राय, सेवा कोल इंडिया के महासचिव संजीव श्रीवास्तव सहित खड़िया परियोजना के अध्यक्ष राहुल सिंह, का .अध्यक्ष अखिलेश सिंह, सचिव राजेश नायक, संगठन मंत्री छबिलाल पटेल, मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र, वरिष्ठ सदस्य रामसजीवन सिंह, हरी मोहन चौधरी, विनोद सिंह, छठि लाल नामदेव, सम्पुल राम, अंचल सिंह, रामबाबू कुशवाहा, राजेश रोशन नायक, गुंजन कुमारी, सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्य एवं खड़िया परियोजना के समस्त कर्मचारी गण भारी संख्या में शामिल हुए। कोल इंडिया आईटीआई एम्पलाइज एसोसिएशन विगत 25 वर्षों से एक एसोसिएशन की तरह पूरे कोल इंडिया में कार्य कर रहा था और तकनीकी कर्मियों से जुड़ी तमाम समस्याओं का निराकरण पूरी मजबूती से करा रहा था। इसी को आगे बढ़ाते हुए संगठन ने अपना विस्तार करते हुए राष्ट्रीय श्रम संगठन सीटू के साथ ऑल इंडिया कोल वर्कर्स फेडरेशन से संबद्धता ग्रहण कर पूरे कोल इंडिया में ट्रेड यूनियन की तरह मुख्यधारा में शामिल हो गया द्य उसके बाद से ही संघ अपने विस्तार के लिए नई–नई रणनीतियों के माध्यम से संघ के प्रतिनिधि गण पूरे कोल इंडिया में सभी वर्गों के कर्मचारियों के बीच जाकर संघ के द्वारा किए गए कार्यों को एवं संघ की उपयोगिता के बारे में कर्मचारियों को बताने का कार्य कर रहा है। एनसीएल जोन अध्यक्ष प्रकाश पटेल ने बताया कि ऐसी ही सभाएं क्रमशः सभी परियोजनाओं में आगामी दिनों में रखी जायेंगी।

जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला कांग्रेस कमेटी की एक बैठक जिला कार्यालय पर जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गौड़ की अध्यक्षता में रखी गई जिसमें रामराज सिंह गोड़ ने कहा कि होने वाली नगर पालिकाध्नगर पंचायत के चुनाव में कांग्रेस पार्टी पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेगी, और हम आम–जनमानस के विचारों पर खरे उतरते हुए अपनी जीत भी दर्ज करेंगे । इसी चुनाव के मद्देनजर नगर पंचायतों में पंचायत वार प्रभारी भी बनाए गए, जिसमें नगर निकाय घोरावल में विनोद तिवारी, राजबली पांडे, मोहन बिहार, विदेस्वरी सिंह राठौर, नगर निकाय चुनाव चुर्क में जितेंद्र पासवान, शरतुंजय मिश्रा, सूरज प्रसाद यादव, नामवर कुशवाहा, नगर निकाय चोपन में जगदीश मिश्रा, नागेशमड़ी पाठक, बाबूलाल पनिका, संदीप गुप्ता, नगर निकाय ओबरा में अवधेश सिंह, नागेसमनी पाठक, कैलाश सिंह गौड़, बाबूलाल पनिका, नगर निकाय डाला में विनय कांत चौबे, कैलाश सिंह गौड़, नागेश्मनी पाठक, बाबूलाल पनिका ,नगर निकाय रेणुकूट में अवधेश सिंह, नागेश मणि पाठक, बाबूलाल पनिका, संगीता खरवार ,नगर निकाय पिपरी में अवधेश सिंह, नागेश् मणि पाठक, बाबूलाल पनिका ,संगीता खरवार ,नगर निकाय अनपरा में राजू भारती ,संगीता खरवार, अभय लाल बैसवार, मनोनीत रवि, नगर निकाय दुद्धी में बृजेश तिवारी ,रमाशंकर यादव ,रुखसार नाच ,अजीत तिवारी इस प्रकार से 9 नगर पंचायतों में प्रभारियों की नियुक्ति की गई । आज कैलाश सिंह गोड़ को जिला कांग्रेस कमेटी का महासचिव नियुक्त किया गया । साथ ही सामाजिक कार्यकर्ता रेखा पटेल ने जिला अध्यक्ष रामराज सिंह गौड़ के द्वारा कांग्रेस की सदस्यता भी ग्रहण की ।भारत जोड़ो यात्रा में अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय महासचिव के. के. पांडे व पी0 गणेशन का स्वर्गवास हुआ ,उनके लिए 2 मिनट का मौन धारण कर कांग्रेसियों श्रद्धांजलि दिया बैठक में सभी लोगों ने पार्टी के प्रति अपनी जिम्मेदारी को तय करते हुए नगरपालिकाध्पंचायतों में चुनाव में पूरी सफलता देने की बात कही। मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में प्रदेश सचिव कमलेश ओझा, कार्यवाहक जिला अध्यक्ष हाजी फरीद अहमद, नगर अध्यक्ष राबर्ट्सगंज राजीव त्रिपाठी, पीसीसी सदस्य नामवर कुशवाहा, आशुतोष कुमार दुबे (आशु) के साथ जिला उपाध्यक्ष जगदीश मिश्रा, विमला मौर्य, संगीता खरवार ,धीरज पांडे, सोनी गुप्ता ,मृदुल मिश्रा, जयशंकर भरद्वाज, सूरज यादव, अमरेश देव पांडे निगम मिश्रा, बंशीधर पांडे ,लल्लू पांडे, राजबली पांडे, शीतला सिंह पटेल, आकृति निर्भया, रामेश्वर यादव ,ज्योति प्रकाश दुबे, मोहनलाल बियार रहे।

त्रिदिवसीय विज्ञान मेला व प्रदर्शनी सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

घोरावल/सोनभद्र। त्रिदिवसीय विज्ञान जागरूकता प्रदर्शनी एवं मेला शुक्रवार को संपन्न ।संजीवनी संस्था प्रयागराज के तत्वावधान में भारतीय इंटर कॉलेज घोरावल में 3 दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में विज्ञान से सम्बंधित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, विज्ञान माडल प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, अंधविश्वास विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुए। निबंध प्रतियोगिता सीनियर वर्ग में भारतीय इंटर कॉलेज घोरावल की आरुषि शुक्ला प्रथम, प्रतिभा दुबे द्वितीय, सोनांचल इंटर कॉलेज घोरावल की कुमकुम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग निबंध प्रतियोगिता में विमला देवी इंटर कॉलेज गेदरी की अर्चना मौर्य प्रथम, अंशु सिंह द्वितीय और भा.इं.का. की अनुप्रिया सिंह तृतीय स्थान पर रहीं। कला प्रतियोगिता सीनियर वर्ग में भा. इं.का. की पूजा कुमारी प्रथम, रा.इं.का. घोरावल के अबरार द्वितीय और भा.इं.का. की राधा तृतीय स्थान पर रहीं ।कला प्रतियोगिता जूनियर वर्ग में भा. इं.का. की सोहनी प्रथम, शुभांगी विश्वकर्मा द्वितीय,आरुषि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मॉडल प्रतियोगिता सीनियर वर्ग में भा. इं.का. के अनीश सिंह प्रथम, सो.इं.का. के मोहम्मद बोहिन द्वितीय, रा.इं.का. के अबरार तृतीय स्थान पर रहे। मॉडल प्रतियोगिता जूनियर वर्ग में वि. इं.का. के कार्तिक पटेल प्रथम, भा.इं.का. के अर्श आलम द्वितीय, कंपोजिट विद्यालय घोरावल के रोहित तृतीय रहे। नुक्कड़ नाटक में भारतीय इंटर कॉलेजघोरावल प्रथम और राजकीय इंटर कॉलेज घोरावल द्वितीय रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक तीरथराज, कार्यक्रम संयोजक सिद्धार्थ पांडेय,संजीवनी संस्था के सचिव उदित नारायण शुक्ला ने विजेताओं व प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह देकर पुरस्कृत किया। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य गणेशदेव पांडेय ने किया। कॉलेज प्रबंधक करुणाकर पाठक ने आगतों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर इस अवसर पर मनीष कुमार, सिद्धार्थ शुक्ला, प्रमोद श्रीवास्तव, प्रेम प्रकाश पांडेय, कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य गणेश देव पांडेय, रामानंद पांडेय, लवकुश चौबे, रीना राय, रवि सिंह, सुमित पटेल, मृत्युंजय सिंह, रमेश दुबे, राजकुमारी, अरूण सिंह, राजेश्वरी सिंह, सुग्रीव, जयप्रकाश यादव, शांतेश्वर इत्यादि रहे।

पूर्व चेयरमैन ने पत्रकार समाज को अपमानित किया है: नरेन्द्र कुमार वर्मा

पत्रकारों को कीचड़ बोलने की बात सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो से जनता में आक्रोश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बाराबंकी। नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन रंजीत बहादुर श्रीवास्तव द्वारा पत्रकारों को कीचड़ बोलने पर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष व समाजवादी पार्टी से संभावित प्रत्याशी नरेन्द्र कुमार वर्मा ने मोर्चा खोलते हुए कहा कि अपने पुराने दिन न भूलना चाहिए, पत्रकार, वकील सम्मानित व्यक्ति होता है, उनके कथन से सभी पत्रकारों की छवि धूमिल हुई, उनको अपने शब्द वापस लेना चाहिए अन्यथा इस बार चुनाव में यहाँ के पत्रकार उनकी पुरानी यादे ताजा कर देंगे। यहां की जनता सब जानती है, जनता जब चाहती है तो अच्छे अच्छे लोग अर्श से फर्श पर पहुंच जाते हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार पत्रकारों को कीचड़ बोलने पर सोशल मीडिया पर वायरल वीडियों के सम्बंध में श्री वर्मा ने बताया कि यह पूर्व चेयरमैन की सोच है, उनको नहीं मालूम कि कीचड़ में ही कमल खिलता है और उसी कमल के खिलने से वह दो बार नगर पालिका का प्रतिनिधित्व किया है। श्री बहादुर को अपने पुराने दिन नहीं भूलना चाहिए, कमल सबसे अच्छा पुष्पा होता है, आपकी पार्टी का सिम्बल भी है, सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए तथा सुर्खियों में बने रहने के लिए बहादुर कई बार बोगस बयानबाजी करते चले आ रहे हैं, लेकिन इस बार उन्होंने सारी हदे पर कर दी है और सम्मानित पत्रकारों को कीचड़ बोलने से सम्मानित व्यक्तियों में आक्रोश हैं, ऐसे लोगों के पास किसी भी सम्मानित पत्रकार को नही जाना चाहिए, ताकि पत्रकारों के सम्मान के साथ भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति न करें। वर्मा ने कहा कि कुछ कौन पत्रकार कौन होता है, पत्रकार–पत्रकार होता है, कुछ नहीं होता, सम्मानित पत्रकारों को आपस में बांटने का काम किया जा रहा है, हिम्मत होती तो नाम लेकर बोलते पत्रकार कहने की क्या जरूरत थी। नाम लेने से तो डरते हैं। उनको नाम लेकर बोलना चाहिए, कुछ पत्रकार कहकर पूरे पत्रकार समाज की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। ऐसे में पत्रकारों को ऐसे नेता का बायकाट करना चाहिए, पत्रकार और वकील सम्मानित व्यक्ति है। इनका सम्मान होना चाहिए। पत्रकारां के बारे में अशोभनीय टिप्पणी करने की खबर जिले के साथ–साथ प्रदेश के पत्रकारों व उनके संगठनों तक पहुंचने पर उनमें भी काफी आक्रोश देखने को मिल रहा है। इस मौके पर जिला बार एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहन सिंह व कई व्यक्ति मौजूद रहे।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

सोनांचल रत्न से किया गया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। भारतीय विकास सोनांचल उत्थान समीति के प्रशिक्षण केंद्र पर 15 वाँ स्थापना दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर सोनभद्र के साहित्यिक विभुतियो को सोनांचल रत्न सम्मान दे कर सम्मानित भी किया गया। इस कार्यक्रम में सर्व प्रथम माता सरस्वती का पूजन वैदिक मंत्रों से कराया गया। जनपद के कवि ईश्वर प्रसाद वैरागी ने वाणी वंदन किया। भारतीय विकास सोनांचल उत्थान समीति के द्वारा सोनांचल रत्न से सम्मानित होने वाले साहित्यकार एवं कवि मनीषियों का माल्यार्पण ,अंग वस्त्र व सोनांचल रत्न प्रमाण पत्र भेंट किया गया। संस्थान के उपाध्यक्ष ओम प्रकाश पाण्डेय श्निर्भय ने अतिथियों का स्वागत एवं संस्थान के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। संस्थान के अभिवावक विशिष्ट अतिथि राधे श्याम द्विवेदी ने प्रशिक्षुओं का कर्तव्य बोध, निष्ठा, आदर्श एवं चरित्र निर्माण पर ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिये ये सभी गुण प्रत्येक नागरिकों में होना चाहिए, तभी विकसित राष्ट्र का निर्माण संभव हैं। संस्थान के सचिव आनंद प्रकाश गुप्ता ने बताया कि यह संस्थान वर्ष 2007 से अब तक 1485 प्रशिक्षणार्थी को ट्रेनिंग दे चुका हैं, जिनमें से 900 ट्रेनिंग प्राप्त कर चुके युवाओं को विभिन्न क्षेत्र में रोजगार भी उपलब्ध कराया हैं। सोनांचल रत्न समारोह में कार्यक्रम की अध्यक्षता जगदीश पंथी ने किया और संचालन राकेश शरण मिश्रा श्गुरुश् ने किया। कवि ईश्वर वैरागी, कवियत्री रचना तिवारी के गीतों से सभी आत्म विभोर हो गये। बीच–बीच में तालियो की गड़गड़ाहट से साहित्यकारों व कवियों का उत्साह वर्धन बढ़ता रहा। इस कार्यक्रम में संस्थान के महेश कुमार मिश्रा, हर्ष कुमार गुप्ता, ममता गोस्वामी, चंचला देवी, सौम्या त्रिपाठी, आँचल, पूजा इत्यादि उपस्तिथ थे।

रेल ड्राइवर के सजगता से बड़ी दुर्घटना होते होते बची

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। करमा थाना क्षेत्र के इमाम बाड़े से खैराही गांव जाने वाले मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग के नजदीक रेल ड्राइवर की सजगता एक बड़ी अनहोनी होने से बची। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज सुबह लगभग साढ़े नौ बजे चोपन से चुनार के तरफ जा रही कोयला लदी मालगाड़ी जैसे खैराही रेलवे क्रॉसिंग के नजदीक पहुची भार ज्यादा होने के कारण धीमी गति हो गई। देखते ही देखते माल गाड़ी रिवर्स होने लगी।चर्चा की मानें तो कुछ देर बाद दो हिस्से में बन गई। रेल का ड्राइवर उतर कर गिट्टियां रेलवे पथ पर रोकने की कोशिश करने लगा। इस सम्बंध में स्टेशन अधिकारी रामरक्षा ने बताया कि माल गाड़ी का चलते चलते लक छटक गया जिसके कारण रेलगाड़ी रिवर्स होने लगी। यादव ने बताया कि रेलवे लाइन में जगह पर रेल पटरी में जोड़ होता है जिसके कारण गाड़ी निचे ऊपर करती है, कभी काल लॉक छटक जाता है। ड्राइवर के सूचना पर डिब्बों में लगे एअर पाइप से एअर को कम करने के बाद गाड़ी रुक गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि सयोंग अच्छा था कि पीछे या आगे कोई गाड़ी या आदमी नहीं थे।

ट्रासफार्मर जला रह वासी अधेरें में रहने को मजबूर

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। करमा बिकास खण्ड अन्तर्गत करकोली गाँव में मौर्या बस्ती का ट्रांसफार्मर 10 दिन से जल गया है जिससे रह वासी अधेरें में रहने को मजबूर है ग्रामिणों ने बताया कि इसका कम्प्लेन आन लाइन किया जा चुका है लेकिन ट्रांसफार्मर अभी तक नहीं बदला जा सका यह बिजली बिभाग की उदासीनता नही तो और क्या है उप भोक्ताओं में बिभाग के इस रवैये के प्रति आक्रोश दिखा इस सम्बन्ध में जब बिभाग के जेई बिनीत श्रीवास्तव से वार्ता की गयी तो उन्होंने बताया कि एक या दो दिन में ट्रांसफार्मर लग जायेगा।

ये 5 आउटडोर गेम्स बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ावा देने में हैं सहायक

हर साल 14 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य बच्चों के समग्र विकास को बढ़ावा देना है। लेकिन आजकल कई बच्चों को आधुनिक उपकरणों की लत लग चुकी है, जो उन्हें शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसलिए अपने बच्चों को इन उपकरणों से दूर रखें। आइए आज पांच ऐसे आउटडोर गेम्स के बारे में जानते हैं, जो बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास करने में मदद कर सकते हैं।

फुटबॉल

इसके लिए पहले खुले मैदान का चयन करें और बच्चों का दो ग्रुप बनाएं। इसके बाद मैदान की दो तरफ दो लाइन बनाएं, जो फुटबॉल से गोल करने की लाइन होगी। फिर दोनों टीम फुटबॉल से खेलना शुरू करें और गोल करने की कोशिश करें। ग्रुप का जो भी सदस्य सामने वाले के गोल पोस्ट पर फुटबॉल पहुंचाता है उसे एक पॉइंट मिलता है। हालांकि, इस खेल के लिए एक समय सीमा निर्धारित करनी होती है।

छुपन–छुप्पाई

इसके लिए बच्चों का एक ग्रुप होना चाहिए। ग्रुप में से एक बच्चा डेन देता है और बाकि बच्चे अलग–अलग छुप जाते हैं और डेन वाला बच्चा किसी भी छिपे हुए बच्चे को पहले ढूंढता है, उसकी अगली बारी डेन देने की होती है। हालांकि, इससे पहले डेन वाले बच्चे को सभी बच्चों को ढूंढना होता है। वहीं, अगर छिपे बच्चों में से डेन वाले बच्चे को धप्पा कर देता है तो उसे ही अगली बार डेन देनी पड़ती है।

खो–खो

यह एक पुराना खेल है, जिसके लिए बच्चों को दो ग्रुप में बांटें। इसके बाद टॉस से डिसाइड करें कि कौन–सा ग्रुप दौड़ेगा और कौन–सा बैठेगा। बैठने वाले ग्रुप का एक सदस्य आगे की तरफ और दूसरा पीछे की तरफ मुंह करके बैठेगा। दौड़ के दौरान बैठी टीम के सदस्य एक–दूसरे को छूकर उठाते हैं, फिर जिसे छुआ जाता है वो सामने वाले को पकडने के लिए दौड़ता है। ऐसा दौडने वाली टीम के सदस्या को पकडने तक चलता है।

बैडमिंटन

इसके लिए दो बच्चो का एक–दूसरे से लगभग 10 से 15 फीट दूर होना जरूरी है। अब इस खेल को खेलने के लिए बैडमिंटन से हवा में कॉक उड़ाकर दूसरे बच्चे की तरफ फेंके और दूसरे बच्चे का निशाना इतना तेज होना चाहिए कि कॉक उसके सामने वाले बच्चे के पास जाए। इस दौरान कॉक जिस बच्चे की तरफ जमीन पर गिरेगी वो खेल में एक पॉइंट हार जाएगा। इस तरह से यह खेल 10–10 पॉइंट का होता है।

आंख–मिचौलीः आंख–मिचौली के लिए पांच–छह बच्चे होने चाहिए, जिसमें से एक डेन देगा। डेन देने वाला बच्चे की आंखों पर सूती कपड़ा बांध दें। इसके बाद डेन वाले बच्चे को दो बार गोल–गोल घुमाएं और फिर छोड़ दें। फिर बाकि बच्चों को डेन वाले बच्चे के आस–पास रहते हुए भागना होता है और डेन बने खिलाड़ी को उन्हें पकडने की कोशिश करनी होती है। अगर डेनर किसी को पकड़ लेता है तो उस बच्चे की अगली बारी देनी पड़ती है।

लाल रंग की ड्रेस में नोरा ने दिखाया काला तिल, तस्वीरें देखकर मचल उठेगा मन

एक्ट्रेस नोरा फतेही रेड कलर की शिमरी आउटफिट में बेहद ही बोल्ड और कातिलाना नजर आ रही हैं। हाई थाई स्लिट और

डीपनेक आउटफिट में एक्ट्रेस नोरा फतेही गजब की बला नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस अपनी तस्वीरों से सोशल मीडिया पर धमाल मचाए ही रहती हैं। वहीं, पैपराजी भी उनके लुक को कैप्चर करने के लिए बेताब रहते हैं। नोरा फतेही अपने डांस और अभिनय के साथ अपनी बोल्डनेस से भी फैंस को दीवाना बनाने का कोई मौका नहीं छोड़ती हैं। रेड शिमरी आउटफिट में एक्ट्रेस नोरा फतेही बेहद ही गॉर्जियस नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस नोरा फतेही ने डीपनेक आउटफिट में अपना क्लीवेज फ्लॉन्ट कर रही हैं। इस डीपनेक आउटफिट में एक्ट्रेस का काला तिल भी दिखाई दे रहा है, जिसे देखकर फैंस बेताब हो रहे हैं। झलक दिखला जा के स्टेज पर उनका ये बोल्ड अंदाज फैंस के दिलों पर बिजलियां गिराने का काम कर रहा है। नोरा न्यूड मेकअप और स्ट्रेट हेयर में बहुत कातिलाना लग रही है। वहीं, उनके बालों का स्टाइल फैंस को काफी पसंद आ रहा है। एक्ट्रेस नोरा फतेही, माधुरी दीक्षित और करण जौहर के साथ झलक दिखला जा शो को जज कर रही हैं। नोरा फतेही के बोल्ड मूवमेंट और तस्वीरें देखकर फैंस का पसीना छूट जाता है। वहीं, उनका ये न्यू लुक फैंस को काफी पसंद आ रहा है। नोरा फतेही की इंस्टाग्राम पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है, उनके इंस्टा पर 43.1 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

दीपिका, रणबीर और सोनम ने बॉलीवुड में पूरे किए 15 साल, ऐसा रहा सफर

रणबीर कपूर, सोनम कपूर और दीपिका पादुकोण बॉलीवुड में आज के दौर के सबसे लोकप्रिय सितारे हैं और इन तीनों सितारों में एक समानता है। 9 नवंबर को तीनों ही सितारे बॉलीवुड में अपने 15 साल पूरे कर रहे हैं। दीपिका, रणबीर और सोनम ने करियर के इन सालों में खूब उतार चढ़ाव देखे हैं। इन्होंने कई यादगार फिल्में दीं तो वहीं कई फिल्में फ्लॉप हुईं। रणबीर ने संजय लीला भंसाली की फिल्म सांवरिया से 2007 में डेब्यू किया था। इस फिल्म ने रणबीर को एक चॉकलेटी बॉय के खांचे में डाल दिया। पहली फिल्म में क्रिटिक्स ने रणबीर का अभिनय नहीं सराहा था। बावजूद इसके उन्होंने बेस्ट डब्यू मेल के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार जीता। इसके बाद वेकअप सिड, रॉकेट सिंह और राजनीति जैसी फिल्मों से उनके अभिनय की प्रशंसा हुई। हालांकि, शुरुआती दौर में रणबीर मुख्यतरू चॉकलेटी बॉय की छवि में ही रहे। 2011 की फिल्म रॉकस्टार रणबीर के अभिनय के लिए टर्निंग पॉइंट रही। फिल्म में जॉर्डन के किरदार में उन्होंने तेज–तर्रार अभिनय किया। उनकी फिल्म बर्फी भारत की ओर से ऑस्कर के लिए भेजी गई। ये जवानी है दीवानी से उन्होंने युवाओं का दिल जीता तो इम्तियाज अली की तमाशा में उनके अभिनय में परिपक्वता देखने को मिली। फिल्म संजू में उन्होंने संजय दत्त के जीवन के अलग–अलग दौर को प्रदर्शित करने का चुनौतीपूर्ण काम बखूबी किया। दीपिका पादुकोण ने शाहरुख खान की फिल्म ओम शांति ओम से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था। रिपोर्ट्स के अनुसार निर्देशक फराह खान ने हिमेश रेशमिया के एक वीडियो में उन्हें देखा था और अपनी फिल्म के लिए पसंद कर लिया। फिल्म में वह डबल रोल में नजर आई थीं। करियर के शुरुआती दौर में दीपिका ज्यादातर अपने ग्लैमरस लुक के लिए पहचानी गईं। बचना ऐ हसीनो, हाउसफुल, दम मारो दम जैसी फिल्मों में उन्होंने अपने ग्लैमर का जादू चलाया। इम्तियाज अली की फिल्में लव आज कल और कॉकटेल में दीपिका के काम की तारीफ हुई। फिल्म ये जवानी है दीवानी, चेन्नई एक्सप्रेस और तमाशा से दीपिका ने दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों के दिलों में जगह बनाई। भंसाली के साथ साझेदारी ने दीपिका की छवि ही बदल दी। भंसाली की फिल्में, गोलियों की रासलीला– रामलीला, बाजीराव मस्तानी और पद्मावत में दीपिका ने अपने काम में महारथ हासिल की और स्टारडम की बुलंदियों को छुआ। सोनम कपूर ने भी रणबीर के साथ भंसाली की फिल्म सांवरिया से बड़े पर्दे पर अपना सफर शुरू किया था। सोनम इंडस्ट्री में अपने स्टाइल और फैशन के लिए जानी जाती हैं। पर्दे पर वह अपने अभिनय का ज्यादा दमखम नहीं दिखा सकीं। करियर की शुरुआत में उन्होंने अपने लिए आई हेट लव स्टोरीज, आयशा, थैंक्यू, मौसम जैसी फिल्में चुनीं। इन फिल्मों में सोनम के अभिनय की आलोचना ही हुई। दर्शकों ने भी इन्हें खास पसंद नहीं किया। हालांकि, आलोचनाओं के बाद भी सोनम ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और खुद को व्यस्त ही रखा। 2009 की फिल्म दिल्ली 6 से सोनम ने चर्चा बटोरी थी। वहीं 2013 की फिल्म रांझणा उनकी सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली फिल्मों में से एक है। 2016 की उनकी फिल्म नीरजा को बेस्ट फीचर फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। पैडमैन और संजू जैसी फिल्मों में छोटी भूमिकाओं में उनकी उपस्थिति को सराहना मिली। इन 15 सालों में ये सितारे निजी जिंदगी से चर्चा में रहे। दीपिका का नाम शुरुआत में क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के साथ जुड़ा। इसके बाद दीपिका और रणबीर प्रशंसकों के पसंदीदा कपल्स में से एक बन गए। 2018 में उन्होंने रणवीर सिंह से शादी की। दीपिका से अलग होने के बाद रणबीर का नाम कैटरीना कैफ से जुड़ा। इसी साल उन्होंने आलिया भट्ट से शादी की है। सोनम कपूर ने 2018 में बिजनसमैन आनंद आहूजा से शादी की थी।

सोलो ट्रिप का आनंद ले रहे हैं सिंगर दिलजीत दोसांझ

अभिनेता–गायक दिलजीत दोसांझ, जो उड़ता पंजाब, गुड न्यूज और जट्ट एंड जूलियट जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए जाने जाते हैं, फिलहाल बर्फ में सोलो ट्रिप का आनन्द लेने पहुंचे

हैं। एक कुड़ी के हिटमेकर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक रील शेयर की है जिसमें उन्हें सोलो ट्रिप पर जाने की तैयारी करते देखा जा सकता है।रील उन्हें खाना बनाते हुए, अपना बैग पैक करते हुए, एक अज्ञात स्थान पर जाते हुए और सर्दियों के कपड़े पहने हुए बर्फ की शांति में अपने भोजन का आनंद लेते हुए दिखाती है। उन्होंने अपनी रील को कैप्शन दिया, माई किंडा डे, सोलो ट्रिप। हालांकि, उनके अनुयायी उनसे यह पूछते हुए भ्रमित हो गए कि अगर वह एकल यात्रा पर है तो वीडियो कौन रिकॉर्ड कर रहा है। अभिनेता–गायक ने तब अपना कैप्शन कैमरामैन–दोसांझवाला में संपादित किया, जिसका अर्थ है कि यह तिपाई का युग है और कोई भी तिपाई के साथ किसी भी एंगल से कुछ भी शूट कर सकता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, उन्हें आखिरी बार स्ट्रीमिंग फिल्म जोगी में देखा गया था, जो भारत में 1984 के सिख विरोधी दंगों की तनावपूर्ण पृष्ठभूमि के खिलाफ दोस्तों की कहानी बताती है।

कैलोरी की खपत को नियंत्रित करती है सीआईसीओ डाइट, जानिए इसके फायदे और नुकसान

सीआईसीओ यानी कैलोरी इन, कैलोरी आउट और यह आपके प्रतिदिन कैलोरी इंटेक से जुड़ी डाइट है। यह वजन घटाने और वजन बढ़ाने, दोनों के लिए ही उपयुक्त है क्योंकि यह आपकी कैलोरी की खपत को पूरी तरह से नियंत्रित रख सकती है। इसके जरिए आप अपने पूरे दिन कैलोरी को अपनी जरूरत के अनुसार सही ढंग से ले सकते हैं। आइए जानते हैं कि सीआईसीओ डाइट क्या होती है और इससे क्या–क्या फायदे और नुकसान हो सकते हैं।

वजन नियंत्रित करने के लिए कितनी कैलोरी है जरूरी?: इस डाइट में कैलोरी पर नजर रखना शामिल है। इसके लिए सबसे पहले अपने बेसल मेटाबॉलिक रेट की गणना करें, जो आपके शरीर की क्रियाओं जैसे सांस लेने, दिल की धड़कन, पाचन और मांसपेशियों आदि के लिए चाहिए। अगर आप अपना वजन घटाना चाहते हैं तो अपनी डाइट में कम कैलोरी और वजन बढ़ाने के लिए अधिक कैलोरी को शामिल करें।

वजन नियंत्रण के लिए कैलोरी की भूमिका होती है महत्वपूर्णः यह सच है कि आप एक दिन में जितनी कैलोरी का सेवन करते हैं उसका असर आपके वजन पर पड़ता है और यह डाइट पूरी तरह से कैलोरी की खपत पर आधारित होती है। हालांकि, स्वस्थ वजन नियंत्रण के लिए आपको कैलोरी की ज्यादा आवश्यकता नहीं होती है। इसके लिए अपनी डाइट में कम कैलोरी युक्त खान–पान की चीजें शामिल करें और वेट लॉस एक्सरसाइज को अपने दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।

सीआईसीओ के फायदे

इस डाइट को फॉलो करने से आप अस्वास्थ्यकर वजन बढ़ाने से बच सकते हैं। यह डाइट हृदय रोग, अवसाद समेत कैंसर से लेकर सांस की समस्याओं तक, कई बीमारियों से सुरक्षित रखने में मदद कर सकती है। शरीर की अतिरिक्त चर्बी को प्राकृतिक रूप से कम करने के लिए भी इस डाइट को फॉलो किया जा सकता है। इसके अलावा, आप ऑक्सीडेटिव तनाव कम करने और हार्मोनल संतुलन को बनाए रखने के लिए भी इस डाइट को अपना सकते हैं।

कई समस्याओं का कारण बन सकती है सीआईसीओ डाइटः कैलोरी पर बहुत अधिक ध्यान देने से शरीर में महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की कमी होने का खतरा बढ़ जाता है। इस डाइट से बाल का झडना, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं, हृदय रोग, मस्तिष्क रोग, सूजन और कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त, कैलोरी की कमी से एक्सरसाइज करने में भी कठिनाई हो सकती है।